परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	राजस्व		**676.00**	**1767.00**				
	पूंजी		..	**68.00**				
	योग		**676.00**	**1835.00**				
1.	**क) सचिवालय सामाजिक सेवा**	मंत्रालय की कार्यक्षमता के लिए कार्यालय का आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी सहायता भी प्रदान करनी है। कार्यालय उपस्करों का अनुरक्षण सूचना प्रौद्योगिकी लेखन सामग्री की खरीद।	**26.70**	**4.00**	165 कम्प्यूटरों पर एक्स. ओ. प्रचालन सोफ्टवेयर सहित उन पर विंडो 7 और विंडो 8 संस्थापित करते हुए उनका क्रमोन्नयन करना। कार्यरत स्टाफ को रहने का बेहतरीन वातावरण प्रदान करने के लिए वर्ष के दौरान मंत्रालय में अन्य आधुनिकीकरण कार्यों के साथ मंत्रालय का विस्तारण। पुराने / अप्रचलित कम्प्यूटरों / फोटो कॉपी मशीनों / फैक्स मशीन आदि को बदलना। वरिष्ठ परामर्शदाताओं / विशेष अध्ययन के लिए वरिष्ठ परामर्शदाताओं के लिए व्यावसायिक सेवाओं हेतु प्लान स्कीमों का मूल्यांकन।	संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक, कार्यकुशल और समकालीन कार्य वातावरण उपलब्ध कराना।	पूरे वर्ष के लिए एक सतत् प्रक्रिया है।	सामान्यतः प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
	ख) केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार	नीति आयोजकों, शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं आदि को अनुसंधान सेवाएं	**1.00**	**2.65**	कम्प्यूटरों की खरीद। दुर्लभ पुस्तकों की प्रदर्शनी, उच्च श्रेणी	पाठकों की संख्या बढ़ाना तथा ज्ञान का	पूरे वर्ष के दौरान क्योंकि ये अनवरत	सामान्यतः प्रशासनिक और

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(सी. एस. एल.)	तथा सूचना उपलब्ध कराना। समस्त प्रयोजनों के लिए यह प्रमुख संदर्भ पुस्तकालय है। गजट दस्तावेजों, भारत सरकार के अन्य प्रकाशनों सहित इसके संग्रह में 8.25 लाख से भी अधिक दस्तावेज हैं।			के सर्वर और अन्य सोफ्टवेयरों की खरीद। सी. एस. एल. के लिए फोटोकॉपी मशीन की खरीद। स्टेक क्षेत्र का विस्तार। दुर्लभ पुस्तक अनुभाग का आधुनिकीकरण। फर्नीचर की खरीद। परिचालन काउंटर को स्वचालित बनाना। लाइब्रेरियन्स को सेवाकालीन प्रशिक्षण। बुक सैलब्ज की खरीद। आर. के. पुरम में बच्चों के लिए अवसंरचना। दुर्लभ पुस्तकों का परिरक्षण और संरक्षण प्रकाशन विभाग के साथ समन्वय रखते हुए भारत के गजट का डिजिटाइजेशन। पुस्तकों का प्रापण ब्रिटिश पुस्तकालय लंदन से माइक्रोफिल्मों की खरीद। आर. के. पुरम के लिए पाठ्यपुस्तकों की खरीद। स्वच्छता के लिए एक मुश्त जनसाधन। सुरक्षा की प्रतिपूर्ति।	प्रसार करना। माइक्रोफिल्म का प्रस्तुतीकरण और पुस्तकालय का कार्य सुचारू रूप से चलाना, सफाई का स्तर और बेहतर प्रयोक्ता सेवाएं मुहैया करना।	कार्यकलाप हैं।	स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
	कला और संस्कृति का संवर्धन							
2.	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**	क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर बुनियादी संस्कृति और सांस्कृतिक बंधुत्व तथा	––	**101.50**	विभिन्न स्कीमों, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि के	राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर	जैसा कि विभिन्न कार्यकलापों के	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		स्थानीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना।			अधीन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना	सांस्कृतिक कार्यकलापों का सुदृढ़ीकरण संवर्धन और प्रदर्शन	अधीन दिया गया है।	
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान–प्रदान।			**एन.सी.ई.पी के अंर्तगत** लगभग 927 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनसे बड़ी संख्या में **कलाकारों, मंच कलाकारों, शिल्पकारों,** संगीत– शास्त्रीयों विद्वानों, विद्यार्थियों और कला पारखियों **का आदान प्रदान किया जाएगा।**	राष्ट्रीय अखंडता को सुदृढ़ करना और उसका संवर्धन करना तथा लोक कलाओं का परिरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार करना।	वर्ष के दौरान समय–समय पर यथा आवश्यक कलाकारों का आदान–प्रदान किया जाएगा।	
(ii)	प्रलेखन	विभिन्न लोक एवं जनजातीय कला रूपों विशेषतः लुप्त हो रहे कला रूपों के समुचित परिरक्षण हेतु प्रलेखन।			लुप्त हो रही कलाओं का प्रलेखन और प्रकाशन। शैक्षिक विस्तार और उपलब्धियों एवं लोक कलाकारों के योगदान को दिखाने के प्रयोजन से विभिन्न कलारूपों का वृत्त–चित्र की सीडी तैयार की जाएगी।	लोक परंपराओं का परिरक्षण तथा कला प्रेमियों और विद्यार्थियों/विद्वानों को ज्ञान का संभव सृजन (आई.पी.आर.) का संभव सृजन।	चूंकि यह एक सतत् प्रक्रिया है, अतः परियोजना कार्य शुरू करने में लगने वाला समय बढ़ सकता है।	
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता के संवर्धन के लिए आयोजित किया जाता है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न भागों के लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है।	राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जागरूकता बढ़ेगी।	प्रत्येक वर्ष जनवरी में आयोजित किया जाता है।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(iv)	कुरुक्षेत्र उत्सव	महाभारत से संबंधित पावन स्थल कुरुक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्प कलाकारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करने का अवसर प्राप्त होता है।	मंच कलाओं तथा शिल्प का संवर्धन और प्रसार करना और स्थानीय शिल्पों को जानकारी देना।	नियमित कार्यकलाप है।	
(v)	गुरू शिष्य परंपरा	लुप्त हो रहे कला रूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करना।			वर्ष के दौरान लगभग 260 गुरूओं तथा 1142 शिष्यों के लाभान्वित होने की संभावना है। कला रूपों का निर्धारण समय–समय पर राज्य सरकारों के परामर्श से किया जाता है।	गुरू शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करना।	यह एक सतत् प्रक्रिया है।	
(vi)	रंगमंच नवीनीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक–दूसरे के साथ मेलजोल करना।			लगभग 200 रंगमंच समूह अपने नाटक प्रस्तुत करेंगे और रंगमंच के संवर्धन में 3100 से अधिक कलाकार और बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। रंगमंच संबंधी कौशल को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।	लोक तथा परंपरागत रंगमंच को बढ़ावा मिलेगा।	समय–समय पर रंगमंच संगठनों को रंगमंच संबंधी कला प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।	
(vii)	युवा प्रतिभावान कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कला रूपों में युवा प्रतिभावान कलाकारों की पहचान करना			लगभग 217 लोक कला स्वरूपों / कलाकारों का चयन किया	लोक परंपराओं से जुड़े युवाओं को	समाचार–पत्रों में एक विज्ञापन दिया	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		और उन्हें प्रोत्साहित करना।			जाएगा।	प्रोत्साहित किया जाएगा।	जाएगा और अन्य सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों से संपर्क किया जाएगा।	
(viii)	शिल्पग्राम	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा स्थापित शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। मुख्य उद्देश्य शिल्पग्राम/ कलाग्राम में कार्यकलापों को बढ़ावा देना है।			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होते हैं। बड़ी संख्या में लोगों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाती है।	दस्तकार लाभान्वित हुए और शहरी लोगों को परंपरागत शिल्पों के बारे में और अधिक जागरूक बनाया गया।	वर्षभर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यकलाप किए जाते हैं।	
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव–ऑक्टेव	पूर्वोत्तर के इस प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य समान्यतः लोगों की और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों की देश के शेष भाग से घनिष्ठ मेल–जोल बढ़ाने में सहायता करना है। इससे पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच की तथाकथित दूरी को कम करने में मदद मिलेगी।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, आदि सहित पूर्वोत्तर के लगभग 2350 कलाकार देश के विभिन्न भागों में आयोजित किए जाने वाले अनेक कार्यक्रमों में कला प्रदर्शन करेंगे।	दर्शकों को पूर्वोत्तर क्षेत्र की रंग–बिरंगी तथा सजीव कला और संस्कृति प्रदर्षित करना।	जनवरी से मार्च, 2015 तक	
(x)	जनजातीय उपयोजना	पूर्वोत्तर राज्य के कलाकारों एवं दस्तकारों को उनकी कौशल परियोजना के लिए स्थाई मंच उपलब्ध कराना।			जनजातीय समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए सदस्य राज्य में कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।	जनजातीय संस्कृति का अनुरक्षण और संवर्धन।		
3.	**संगीत नाटक अकादमी, नई**	अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य व नाटक के संवर्धन व विकास, मंच कलाओं में	**11.99**	**17.50**	अकादमी भारत की मंच कलाओं को आगे बढ़ाने में समर्पित है	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी,		सामान्यतः प्रशासनिक

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	दिल्ली	प्रशिक्षण के मानकों को बनाए रखने, संगीत नृत्य नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्रियों के पुनरूज्जीवन, परिरक्षण, प्रलेखन तथा प्रसार के लिए और उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मान देने के लिए कार्य करती है।			और यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों तथा प्रख्यात वयोवृद्ध कलाकारों की कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था करके तथा छात्रवृत्तियॉ प्रदान करके और प्रलेखनों द्वारा अपने इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है।	इम्फाल को मुख्य रूप से पूर्वोत्तर निधि से सहायता प्रदान की गई। अकादमी जनजातीय उपयोजना के तहत निर्धारित राशि से अपनी गतिविधियां चलाती है।		स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	मंच कलाओं की दृश्य–श्रव्य रिकॉर्डिंग, आंकडों का प्रलेखन एवं कंप्यूटरीकरण, राज्य / क्षेत्रवार सर्वेक्षण एवं सांस्कृतिक मानचित्रण, आईसीएच की राष्ट्रीय सूची का विकास एवं रख–रखाव, प्रलेखन में संगठनों एवं व्यक्तियों को विशेषज्ञता हेतु	मंच कलाओं की दुर्लभ परंपराओं की रिकार्डिंग का परिरक्षण और संग्रह, मंच कलाओं के सैद्धांतिक और शैक्षिक ज्ञान का विकास और मंच कलाओं के संबंध में साहित्य प्रकाशित करना।			1500 घंटे की श्रव्य और दृश्य रिकॉर्डिंग, 12 वीडियों सीडी, 3000 फोटों शामिल किए जाएंगे। 10–15 स्टूडियों और फील्ड रिकॉर्डिंग, अभिलेखागार सामग्री से संबंधित डाटाबेस के निकास साफ्टवेयर कार्यक्रम आईसीएच कार्य के लिए प्रस्तुत किए जा रहे नामांकन के लिए शुरू किए जाने वाली 4 राज्यों में मानचित्र परियोजनाएं संसाधन केन्द्र और डाटाबेस स्थापित करना। वित्तीय सहायता दी जाने वाली 4 परियोजनाएं।	अभिलेखीय सामग्री का डिजिटाइजेशन, मंच कलाओं पर डेटाबेस का विस्तार एवं छात्रवृत्ति का विस्तार और युवा विद्वानों को प्रोत्साहन और अधिक सूचना एवं साहित्य की उपलब्धता ताकि नीति तैयार की जा सके और विद्यार्थियों, अध्यापकों और कलाकारों द्वारा व्यावहारिक एप्लीकेशन की योजना बनाई जा सके।	नियमित सतत् स्कीम	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	परियोजनाओं के लिए सहायता।							
(ii)	मंच कला राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय संग्रहालय, अभिलेखागार एवं मंच कला पुस्तकालय मंच कला अभिलेखागार मंच कला	एक पृथक भवन/परिसर का अधिग्रहण करके अकादमी के मौजूदा संग्रहालय में संगीत उपकरण, कठपुतलियॉं, मुखौटे और अन्य कलावस्तुओं को लाकर उसे मंच कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय में विकसित करना। अकादमी के अपने अभिलेखागार के समृद्ध संग्रह के अलावा देश में बिखरे हुए दुर्लभ संग्रहों को प्राप्त करके और अकादमी के मौजूदा विशिष्ट पुस्तकालय का विस्तार करके दक्षिण भारत में एक समानांतर अभिलेखागार सहित भारत की मंच कलाओं के श्रव्य–दृश्य और फोटोग्राफी रिकार्डों के एक अनन्य अभिलेखागार का विकास करना। मंच कलाओं पर अकादमी के मौजूदा विशेषीकृत पुस्तकालय का विस्तार करना और इसके संपूर्ण संग्रह का डिजिटलीकरण करना तथा इसे			एनएमपीए के लिए डीडीए से भूमि, रबीन्द्र भवन में उपलब्ध स्थान का उन्नयन, कोलकाता में संगीत वाद्य यंत्र संग्रह बनाने के लिए केन्द्र। संगीत उपकरणों, मुखौटों, कठपुतलियों, पोशाकों आदि जैसी 200 संग्रहालयों वस्तुओं का अधिग्रहण करना। 110 वस्तुओं का 3 सूची पत्रों के अभिग्रहण वाद्य यंत्र उपकरण और मुखौटा बनानें के संबंध में 3 कार्यशालाएं आयोजित करना। वर्तमान अभिलेखीय संग्रहों का डिजीटाइजेशन गुवाहाटी, तिरूअनंतपुरम आदि में एसएनए केन्द्र में विषय–वार अभिलेखागारों की स्थापना करना। समाचार पत्र की क्लिपिंग्स,	अमूर्त रूपों का परिरक्षण (भारतीय मंच कलाओं की संपदा, संग्रहालयों, अभिलेखागारों और पुस्तकालयों की सुविधा को जोड़ते हुए इस संपदा के विषय में सूचना और ज्ञान की एक समेकित प्रणाली का विकास करना। मौजूदा अभिलेखीय सम्पत्ति का अंनतकाल तक परिरक्षण करना। मौजुदा अभिलेखीय सामग्री का डिजिटाइजेशन, एस. एन. ए. केंद्र, गुवाहाटी, तिरूअनंतपुरम आदि में विषयवार अभिलेख सैट करना।	सतत् योजना	कार्यान्वयन किया जाना है बषर्ते की निधि उपलब्ध हो।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुस्तकालय	ऑन–लाइन उपलब्ध कराना।			सेमिनार पेपर, दुर्लभ पुस्तकों, वार्षिक रिपोर्टो, दृश्य–श्रव्य पुस्तकालय, फोटो पुस्तकालय आदि का डिजिटाइजेशन।			
(iii)	मंच कला के विशिष्ट क्षेत्रों/रूपों के लिए अकादमी के राष्ट्रीय संस्थान केन्द्र और परियोजनाएं जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल : कथक केन्द्र, नई दिल्ली, कुटियट्टम केन्द्र, तिरूअनंतपुरम , साहित्य केन्द्र, गुवाहाटी, पुतुल केन्द्र, नई दिल्ली, छऊ केन्द्र, बारीपदा/ जमशेदपुर, हिन्दुस्तानी एवं	विशिष्ट प्रशिक्षण के माध्यम से व्यावसायिक मानदंड के मणिपुरी नर्तक तैयार करना। कुटियट्टम के लिए अकादमी की परियोजना सहायता का उन्नयन और विकास करना। पूर्वी क्षेत्र के छऊ नृत्यों को सहायता की चल रही परियोजना का उन्नयन और विकास करना। भारत के परंपरागत स्थानीय लोक रंगमंच रूपों–कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का भगवत मेला में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास करना। विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक मानदंड के मणिपुरी नर्तक तैयार करना। सतरिया नृत्य और संबंधित संगीत और रंगमंच परंपराओं के लिए अकादमी की परियोजना सहायता का विकास ।			विभिन्न राज्यों में 3–4 नई नृत्य, प्रस्तुतियां 3–4 उत्सव, मंचकला प्रस्तुत करना। मणिपुर में पैरिफरल केंद्र आरंभ करना। 5–6 नए नृत्य प्रस्तुत करना, कथक पर सेमिनार, कथक केंद्र, रेपर्टरी कंपनी का विस्तार, कथक के 3 उत्सव, कथक महोत्सव आयोजित करना। सतरिया (संगीत और नृत्य) कठपुतली बनाना, छऊ नृत्य, कठपुतली में प्रशिक्षण, यक्षगान, गोम्बीयता गपालिया, कोयाबिम्मालता आदि का आयोजन जिसमें अनेक प्रस्तुति प्रशिक्षण, अनुसंधान और निष्पादन कार्य शामिल किए गए जिससे, संस्थानों, कलाकारों और विद्वानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाना। नृत्य पर्व सत्तरीया नृत्य का वार्षिक उत्सव, व्याख्यान,	राष्ट्रीय स्तर के मंच कलाकार संस्थानों का विकास, प्रशिक्षण एवं अभिनय के उच्च मानकों की स्थापना, बडी संख्या में दर्शकों एवं अकादमी आधारित संस्थान सृजित किए जायेंगे।	यह चल रही स्कीम है और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निर्धारित रूप में स्कीम कार्यान्वित की जाएगी।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	कर्नाटक संगीत में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय परियोजना और अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएं।				सेमिनार तथा कार्यशालाओं आदि का आयोजना। नृत्य पर्व, सत्तरिया वार्षिक नृत्य सत्तरीया नृत्य, संगीत एवं मंच परंपराओं, नृत्य नाटकों की 3–4 नई प्रस्तुतियां तथा विभिन्न राज्यों में उत्सव मनाए गए। मणिपुर में पेरीफरल केंद्र शुरू करना। सांस्कृतिक कार्यक्रमों / समारोहों और परंपरागत कला स्वरूपों से जुड़े व्यक्तियों को वित्तीय सहायता पहुंचाना। आईसीएच की प्रतिनिधि सूची तथा तत्काल सुरक्षोपाय संबंधी सूची में शामिल किए जाने हेतु मंचकलाओं की अभ्यर्थिता (केर्डीडेचर) के बारे में सांस्कृतिक मानचित्रण और सूची तैयार करना। यूनेस्को के लिए डोजियर्स पर कार्य करना। ग्वालियर में संगीत के लिए तथा कठपुतली केंद्र नई दिल्ली आदि में स्थापना / विकास परियोजना।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(iv)	प्रशिक्षण एवं निष्पादन सहायता, संगीत नृत्य, थियेटर, लोक एवं जनजातीय कला हेतु सहायता। अनुसंधान, प्रकाशन, मंचकला, डाटा बेस, मंचकला का विश्वकोश और शैक्षणिक सेमिनार आपसी विचार–विमर्श, साक्षात्कार / कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि।	क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आधार पर प्रत्यक्ष रूप से भारतीय संगीत, नृत्य, थियेटर और जनजातीय लोक परंपराओं का परिरक्षण, विकास और प्रसार करना। तथा विचारों, अवधारणाओं और तकनीकों के आदान–प्रदान को राष्ट्रव्यापी आधार पर सहायता करना। संगीत, नृत्य, थियेटर के विभिन्न रूपों को सहायता करना, परंपरागत कलाओं के युवा सदस्यों को प्रोत्साहित करना, ऐसी कला रीति और परंपरा, घरानों आदि को सहायता देना।			प्रशिक्षण और मंचकला सहायता कर्नाटक संगीत संबंधी 3 अनुसंधान कार्य, तेलुगू नाटक/थियेटर और पूर्वी भारत का लोक गायन (झूमर) 6 पुस्तकें, 8 पत्रिकाएं, 12 समाचार बुलेटिन (हिन्दी और अंग्रेजी), 1 वार्षिक रिपोर्ट। विशिष्ट परियोजनाओं को चालू करने से पूर्व कलाकृतियों जैसे मुद्रित और अन्य संसाधनों के क्षेत्र का विस्तृत मानचित्रण। विश्वकोश के लिए 5 विद्वानों को लगाया जाएगा। **संगीत को बढ़ावा देना:** ब्राहदेसी और मांड परंपरा पर 2 उत्सव एवं उत्तर पूर्व, पश्चिम, दक्षिण और केंद्रीय क्षेत्रीय परंपराओं के एक–एक राष्ट्रीय उत्सव मनाए गए। चल रहे 12 नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संस्तुति करना। प्रयोगात्मक सृजनात्मक कोरल एवं संगीत में समाविष्ट कार्य पर जोर देने वाला एक उत्सव। पूर्व एवं दक्षिण क्षेत्र में युवा संगीतज्ञों के	उत्कृष्ट ज्ञान का विस्तार, कलात्मक पद्धति के परिरक्षण और नवीकरण दोनों के संबंध में वी जटिलताओं सहित भारत में मंचकला विरासत का समृद्ध होना। मंचकला के क्षेत्र मामलों की जागरूकता के ज्ञान का विकास और सज़ातीय विषयों में पारस्परिक साझेदारी एवं ताल मेल।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					लिए 2 उत्सव। भुवनेश्वर में संगीत संगम, ठुमरी और ध्रुपद उत्सव; टप्पा संबंधी उत्सव, सेमिनार एवं कार्यशाला। 250 से अधिक सांस्कृति संस्थानों को वित्तीय सहायता पहुंचाना। नृत्य को बढ़ावा देना: विभिन्न उत्सवों, सेमिनारों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों का आयोजन किया जिसमें मुख्य भारतीय नृत्य परंपरा पर विशेष जोर देते हुए प्रदर्शन किया गया। विभिन्न रूपों पर नए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी क्षेत्रों में युवा नर्तकों के लिए 2 उत्सव मनाए गए। मीट द मास्टर्स सीरीज़ 5–6 परियोजनाओं को सहायता पहुंचानी है तथा 150 से भी अधिक संस्थानों को भी सहायता देना। थियेटर को बढ़ावा देना : निर्माण उन्मुख नाटक लेखन पर 2–3 कार्यशालाएं, 3 नए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, युवा निदेशकों एवं			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					वरिष्ठ निदेशकों के लिए 2–2 उत्सव मनाए गए, 300 से अधिक सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता देने के साथ – साथ 5 परियोजनाओं को सहायता पहुंचाई गई। लोक एक जनजातीय कलाओं को बढ़ावा : 10 नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत की गई, 12 समूहों को विभिन्न उत्सवों में प्रायोजित कराया जाना है, 5 क्षेत्रीय उत्सव/ सेमीनार, लोक उत्सव मनाए गए, 10 अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता देनी है और साथ में 100 संस्थाओं / समूहों को वित्तीय सहायक पहुंचानी है।			
(v)	**पुरस्कार सम्मान एवं इनाम :** एस. एन. ए. अध्येतावृत्ति पुरस्कार (अकादमी रत्न सदास्यता और	संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए कलाकारों को व्यक्तिगत रूप से मान्यता देना, अकादमी अध्येतावृत्ति और अकादमी पुरस्कार देना। अकादमी पुरस्कार वार्षिक तौर पर अधिकतम 33 कलाकारों को प्रदान किए जाते हैं।			युवा कलाकरों को 33 अकादमी पुरस्कार, 2 अध्येतावृत्ति, 33 युवा पुरस्कार जीवित अध्येताओं तथा पुरस्कार पाने वालो को 10000 रू. प्रति माह की दर से पेंशन।	अपनी मंच कलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कलाकारों को राष्ट्रीय सम्मान। युवा कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुरस्कार) बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार अध्येताओं को पैंशन और पुरस्कार।	अध्येतावृत्ति और पुरस्कारों के रूप में क्रमशः रू. 3 लाख और रू. 1 लाख, ताम्र पत्र और शॉल से सम्मानित किया जाता है। अकादमी द्वारा वर्ष 2006 से 35 वर्ष से कम आयु समूह के युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने एवं मान्यता देने के लिए बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार की घोषणा की गई जिसके तहत रू. 25000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।				मान्यता।		
(vi)	अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम इंडो एशियाई मंचकला परियोजना अन्य देशों के राष्ट्रीय मंच कला संस्थानों के साथ वार्ता। एन.आर. आई. एवं पी.आई. ओ. कलाकारों एवं अध्येताओं के लिए उन्नयन एवं रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों के	भारत सरकार विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों का संचालन करती है जिससे प्रत्येक देश एक–दूसरे की सांस्कृतिक विरासतों और राष्ट्रीय एकजुटता को सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से बेहतर रूप से समझ सके। भारत एवं विदेशों में सांस्कृतिक संस्थानों के साथ बेहतर समझ के उद्देश्य से और विचारों के आदान–प्रदान तथा वार्ता हेतु बेहतर अवसर सृजित करने के लिए मंचकला के अंतरराष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन किया जाएगा।			विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान संबंधी कार्यक्रम, पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त निष्पादन। प्रमुख एशियाई उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित करना। भारत और चीन के उत्सवों में सेमिनार / प्रदर्शनी आयोजित करना। प्रतिनिधिमंडल का चीनी दौरा, आई.एफ.सी.ई.पी. के तहत 6 पारस्परिक सांस्कृतिक आदान–प्रदान का कार्यान्वयन।	भारत के सांस्कृतिक संबंधों और विचारों, अवधारणाओं, तकनीकों, प्रारूपों आदि के आदान–प्रदान का विकास ताकि देश को व्यापक स्तर पर वैश्विक ख्याति की ओर ले जाया जा सके।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	लिए सहायता। आई.सी.एच., एवं सांस्कृतिक विविधता के यूनेस्को सम्मेलन का कार्यान्वयन। भारत–विदेशी सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम। प्रदर्शनियां एवं सेमिनार तथा अंतरराष्ट्रीय उत्सव।							
(vii)	मंचकला से संबंधित विषयों पर डी.वी.डी.(ज) और ए.सीडी(ज), टी.वी. कार्यक्रम तथा लघु फिल्मों का निर्माण। स्कूल न जाने वाले बच्चों और शिक्षा संस्थाओं के लिए विशेष रूप	महान ऐतिहासिक व्यक्तियों यानि तानसेन, कालीदास, स्वामी हरिदास, त्यागराज के बारे में फिल्में शुरू की गई। टी.वी. चैनल्स के लिए प्रख्यात कलाकारों एवं मंचकाओं के महत्वपूर्ण विषयों पर विडियो वृत्तचित्र। एस. एन. ए. के अभिलेखीय संग्रह से डी.वी.डी.(ज) और ऑडियो सी.डी.(ज) तैयार करना।			शुरू की गईं परियोजनाओं के रूप में प्रख्यात व्यक्तियों पर 2–3 फिल्मों, 2–3 वृत्तचित्रों का निर्माण।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	से डिजाइन किए गए मॉड्यूंल।							
(viii)	**अवसंरचना, विकास एवं निर्माण/ रख–रखाव** मेघदूत थिएटर परिसर, रबीन्द्र रंगशाला, नई दिल्ली, कथक केन्द्र नई दिल्ली, के लिए नया कैम्पस, एनएमपीए, नई दिल्ली के लिए कैम्पस, रबीन्द्र भवन सुविधाओं का विकास, एसएनए पूर्वोत्तर केन्द्र शिलांग, कुटिअट्यम केन्द्र कैम्पस, तिरूअनंतपुरम सतरिया केन्द्र के	केन्द्रीय दिल्ली में एक महत्वपूर्ण परिसर का निर्माण एवं रखरखाव। अनेक कलारूपों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के परिरक्षण एवं विकास को सुविधाजनक बनाना। आसाम के पारंपरिक सतरिया नृत्य का संचालन।			कलात्मक प्रयोग के लिए एक मुक्त थिएटर, एक बंद थिएटर, एक प्रदर्शनी वीथी का रख–रखाव एवं सुधार किया जाएगा। रबीन्द्र रंगशाला का रख–रखाव। किराए पर लिए गए परिसर में स्थित कथक केन्द्र। 5 तलों के एक भवन का निर्माण पूरा होने वाला है जिसमें सौन्दर्यकरण आधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित कलाकृतियों के प्रदर्शन के लिए संग्रहालय, अनुसंधान कार्य के लिए अनुसंधान अध्येताओं हेतु स्थान जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इंफाल में जेएनएमडीए परिसर के लिए नए भवन का निर्माण/ नवीनीकरण का कार्य शुरू किया जाएगा।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	लिए कैम्पस, **छऊ केन्द्र के लिए कैम्पस।**				गुवाहाटी में किराए पर लिए गए परिसर में स्थित एवं स्थापित केन्द्र। तिरूअनंतपुरम में किराए के परिसर में स्थापित एवं चल रहा कुटिअट्यम केन्द्र। गुवाहाटी में किराए के परिसर में स्थापित एवं चल रहा सतरिया केन्द्र। किराए के परिसर में चल रहा छऊ केन्द्र।			
(ix)	सांस्कृतिक कर्मकारों / प्रबंधकों के प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम। राज्य अकादमियों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों का स्तरोन्नयन एवं नवीकरण । शिक्षा में मंचकलाएं। कलाकारों के लिए कल्याणकारी	राज्य अकादमियों, संगठनों, केंद्र सरकार के संगठनों और प्रमुख सांस्कृतिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम और प्रायोजित कार्यक्रम शिक्षा के साथ मंचकला के मौजूदा संबंधों के लिए सर्वेक्षण कराना। कलाकारों को उनके कलात्मक और बौद्धिक अधिकारों के बारे में संवेदनशील बनाना।			सांस्कृतिक कर्मकारों / प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन अकादमी द्वारा कराया जाएगा। अकादमियों द्वारा संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। चिकित्सा इलाज और प्राकृतिक महामारियों/आपदाओं के दौरान 40 – 50 कलाकारों को वित्तीय सहायता।			इन कार्यक्रमों को मंत्रालय के अनुमोदन के बाद ही शुरू किया जाएगा।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	उपाय।							
4	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा प्लास्टिक कलाओं का संवर्धन। इसका उद्देश्य आधुनिक और समकालीन कला की गहरी समझ को प्रोत्साहित करना है।	10.55	10.25	स्थापना शीर्ष के तहत के.सा. स्वा.स्कीम का भुगतान, चिकित्सा व्यय, सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान भी गैर–योजना बजट से किया जाता है।	आकस्मिकताओं एवं किराए तथा दरों एवं करों संबंधी व्यय भी गैर–योजना बजट से किया जाता है। (क्षेत्रीय कार्यालयों सहित)।		सामान्यतया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	दृश्य तथा प्लास्टिक कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। **कला विकास/कला संवर्धन** सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आवक प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, त्रैवार्षिक प्रदर्शनी कला संचार व प्रसार,	अकादमी के मुख्य उद्देश्य विशेषतः समकालीन कला के क्षेत्र में देश के कला कार्यकलापों के विकास हेतु कलाकार समुदाय को बुनियादी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना है।			प्रदर्शनी : राष्ट्रीय – 1 सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत शिष्टमण्डल कार्यक्रमों का आदान–प्रदान – 09 बाहर जाने वाली प्रदर्शनियॉ – 5 आने वाली प्रदर्शनियॉ – 4 चल प्रदर्शनी – 3 शिविर एवं कार्यशालाएं – 10 व्याख्यान और सेमिनार – 40 एल.के.ए. दीर्घा में प्रदर्शनी – 250 कला संगठनों को सहायता अनुदान – 20 कलाकृतियों का संरक्षण/जीर्णोद्धार – 120	ललित कला के क्षेत्र में लगे हुए लोगों को लाभ होगा और राज्य अकादमियों और ज़ेडसीसी के साथ कार्यक्रम आयोजित करके जनसाधारण को जागरूक बनाना। छात्रवृत्तियां, अध्येतावृत्तियां मुहैया करना, स्मारक व्याख्यान/कार्यषालाओं का प्रबन्ध करना कला प्रकाशन निकालना।	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	अभिलेख व स्लाइड व्यय, व्याख्यान व सेमिनार, शिविर व कार्यशालाएं, साहित्य अकादमी व कलाकार संगठनों को अनुदान, मुख्यालय कला विथी, वातानुकूलन व्यय, लाइब्रेरी पुस्तकों की खरीद, जावक प्रदर्शनी, विशेष प्रदर्शनी, लोक जनजातीय व पारम्परिक कला पर सर्वेक्षण, संरक्षण व पुनर्स्थापना, पूर्वोत्तर के कार्यक्रमों के अलावा एक कला उत्सव कार्यक्रम। कार्यक्रम व				12वां ट्रायनल इण्डिया – 1 अंतरराष्ट्रीय बाइनेल – 1 ललित कला अकादमी की 60वीं जयंती के कार्यक्रम का आयोजन प्रदर्शनी – 1 कला शिक्षा पर सेमिनार – 1 सहयोगी कार्यक्रम – 05 छात्रवृतियां – 40, अध्येतावृत्ति – 1, प्रकाशन – 20, क्षेत्रीय कार्यक्रम – 30, व्याख्यान – 40 राष्ट्रीय कला उत्सव – 1, 'आक्टेव' के तहत पूर्वोत्तर प्रदर्शनी – 1, क्षेत्रीय कार्यशाला – 04, पूंजीगत कार्य – 3, गढ़ी स्टूडियों, नई दिल्ली व क्षेत्रीय केन्द्र, चेन्नई नवीकरण। **जनजातीय कार्यक्रम** राष्ट्रीय आदिवासी कैम्प – 3, आदिवासी और लोक कला प्रदर्शनी – 2,			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	बुनियादी ढांचागत सुविधाएं। ललित कला अकादमी की 60वीं जयंती के कार्यक्रम आयोजित करना। अध्येतावृति व छात्रवृति व प्रकाशन और प्रलेखन। क्षेत्रीय केन्द्र कार्यक्रम पूर्वोत्तर कार्यक्रम – लोक/परंपरा /जनजातीय कार्यक्रम, नए क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता, शिलांग, गढी की स्थापना। एग्जिविट्स की खरीद, परिसम्पतियों के सृजन अनुदान ओवरहेड वेतन आदि, सामान्य				सामान्य परिषद का चुनाव।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	परिषद के चुनाव।							
5	**साहित्य अकादमी**	24 भाषाओं में भारतीय साहित्य का प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य करना। नई दिल्ली और कोलकाता, मुम्बई और बंगलौर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय, पुस्तकालयों का निर्माण और उन्नयन करना।	**8.78**	**14.00**	स्थापना शीर्ष के अधीन के.स. स्वा.यो. (सीजीएचएस) अंशदान का भुगतान, सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान भी गैर–योजना बजट से किया जाता है।	आकस्मिकताओं और किराए पर खर्चे, दरें और कर भी गैर–योजना बजट से पूरे किए जाते हैं (इसके क्षेत्रीय कार्यालयों सहित)		सामान्यतया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान का इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन।	पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना और एक ही स्थान पर भारत में लेखकों तथा साहित्यिक कार्यकलापों के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र बनाना।			(क) पुस्तकालयों के विकास और पठन कक्ष पर व्यय : (i) विदेशी पुस्तकों सहित 5000 पुस्तकों की खरीद। (ii) समाचार पत्र, पत्रिकाएं और जर्नल्स (मुख्यालय और 3 क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय)। (iii) फोटो कॉपी मशीन किराया प्रभार। (iv) पुस्तकालय सॉफ्टवेयर, यूपीएस, सर्वर, सी.सी.टी.वी. आदि की एएमसी। (v) कोलकाता, मुंबई, बंगलोर में 3 क्षेत्रीय पुस्तकालयों में और मुख्यालय में 6 कंप्यूटरों, प्रिंटर और 3 स्कैनरों की खरीद। (vi) जेएसटीओआर (जरनल	(क) पुस्तकालयों के विकास और पठन कक्ष पर व्यय : (i) विदेशी पुस्तकों सहित 5000 पुस्तकों की खरीद। (ii) समाचार पत्र, पत्रिकाएं और जर्नल्स (मुख्यालय और 3 क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय)। (iii) फोटो कॉपी मशीन किराया प्रभार। (iv) पुस्तकालय सॉफ्टवेयर, यूपीएस, सर्वर, सीसीटीवी आदि की एएमसी।	यह एक अनवरत स्कीम है तथा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुसूचित तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा।	शून्य

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					स्टोरेजऑनलाइन डाटाबेस) (ख) प्रलेखन संदर्भ ग्रंथ केंद्र (i) 24 भाषाओं में रैट्रो रूपांतरण (ii) संदर्भ ग्रंथ परियोजना (विवेकानंद पर क्रिटिकल इनवेंटरी, पूर्वोत्तर पर साहित्य आदि)। (ग) भारतीय लेखको में कौन क्या है? (भारतीय लेखक निर्देशिका कौन किसका के दो खंड प्रकाशित किए गए, मुद्रित पाठ एवं सी.डी.)	(v) कोलकाता, मुंबई, बंगलोर के 3 क्षेत्रीय पुस्तकालयों और मुख्यालय में 6 कंप्यूटरों और 3 स्कैनरों प्रिंटर की खरीद। (vi) जे.एस.टी.ओ.आर. (जर्नल) स्टोरेज ऑनलाइन डाटाबेस। का आयोजन। (ख) प्रलेखन संदर्भ ग्रंथ केंद्र (i) 24 भाषाओं में रैट्रो रूपांतरण (ii) संदर्भ ग्रंथ परियोजना (विवेकानंद पर क्रिटिकल इनवेंटरी, पूर्वोत्तर पर साहित्य आदि)। (ग) भारतीय लेखको में कौन क्या है? (भारतीय लेखक निर्देशिका कौन किसका के दो खंड प्रकाशित किए गए,		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						मुद्रित पाठ एवं सी.डी.)		
(ii)	**प्रकाशन स्कीम**	भारतीय साहित्य के अकादमी प्रसार के बुनियादी उद्देश्य को पूरा करना और बहुभाषी सोसाइटियों को अन्य भाषा से भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी श्रेण्य ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि के संग्रह।			(क) 350 पुस्तकों का प्रकाशन जिनमें पुनर्मुद्रण भी शामिल है का प्रकाशन 24 भाषाओं में किया जाएगा जो साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त है और जो पुरस्कृत पुस्तकें है – नवोदय श्रृंखला, बाल साहित्य, भारतीय क्लासिक्स, विदेशी क्लासिक्स, भारतीय साहित्य का इनसाक्लोपिडिया (हिंदी पाठ) और भारतीय लेखकों में किसका कौन आदि के साथ – साथ जनजातीय साहित्य के बारे में अनेक पुस्तकें इसमें शामिल हैं, यानि वोडो, गारो, संथाली, राभा, कोकबुरोख आदि। (क) जर्नल्स (भारतीय साहित्य और समकालीन भारतीय साहित्य दोनों द्वैमासिक है)। (ग) भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय संदर्भ सूची (5 खंड निकाल जाएंगे)	(क) 350 पुस्तकों का प्रकाशन जिनमें पुनर्मुद्रण भी शामिल है का प्रकाशन 24 भाषाओं में किया जाएगा जो साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त है। (क) जर्नल्स (भारतीय साहित्य और समकालीन भारतीय साहित्य दोनों द्वैमासिक है)। (ग) भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय संदर्भ सूची (5 खंड निकाल जाएंगे) (घ) रॉयल्टी (हम लेखकों को मूल कार्य पर 15 प्रतिशत, अनुवाद पर 10 प्रतिशत तथा मूल	लक्ष्यों को प्राप्त करना।	शून्य

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					(घ) रॉयल्टी (हम लेखकों को मूल कार्य पर 15 प्रतिशत, अनुवाद पर 10 प्रतिशत तथा मूल अनुवाद पर 5 प्रतिशत)	अनुवाद पर 5 प्रतिशत)		
(iii)	**साहित्यिक कार्य तथा कार्यक्रम**	महान लेखकों की जयंतियॉ मनाना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां आदि आयोजित करना। 'लेखकों व्यक्ति और पुस्तकों आदि से भेंट आयोजित करके समय–समय पर मेलजोल के लिए लेखकों को मंच प्रदान करना।			(क) शताब्दी समारोह, सेमिनार और लेखक कार्यशालाएं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार (i) 24 भाषाओं में 111 सेमिनार आयोजित किए जाएंगे (प्रत्येक भाषा में 30–40 भागीदार)। (ii) 4 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार (iii) 60 वर्षीय समारोह (ख) साहित्यिक मंच (75), लेखक बैठक (60), लोग एवं पुस्तकें (40), सिम्पोजियम (48), पूरे भारत में 24 भाषाओं में जिसमें पूर्वोत्तर भी शामिल है, वर्ष के दौरान आयोजित किए जाएंगे। (ग) युवा लेखक मीट पर 4 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार तथा 2 महिला लेखकों की बैठकें।	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय लेखकों द्वारा किए गए योगदान के लिए उन्हें उचित सम्मान एवं आदर उनके साहित्यिक कार्यो के लिए दिया जाएगा तकि साहित्यिक कार्य में उनके कार्यों के प्रति जागृति पैदा किया जा सके।	यह एक अनवरत स्कीम है तथा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुसूचित तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा।	
(iv)	**लेखकों को सेवाएं/ पुरस्कार**	भारतीय भाषा के सृजनात्मक युवा और अनुभवी लेखकों को, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत विदेश			क) 24 भाषाओं में 20 लेखकों को यात्रा अनुदान। ख) 10 साहित्यिक विनिमय	क) 24 भाषाओं में 20 लेखकों को यात्रा अनुदान।	यह एक अनवरत स्कीम है तथा लक्ष्यों को प्राप्त	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		भेजना और विदेशी लेखकों के शिष्टमंडल की मेजबानी करना, अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में उन साहित्यिक कार्यों को पुरस्कार देना जिनकी गुणवत्ता की सराहना की गई है और जो उत्साहवर्धक हों। प्रसिद्ध लेखकों को भारतीय साहित्य में उनके योगदान के लिए मानद अध्येतावृत्तियॉं देना।			कार्यक्रम। ग) 24 भाषाओं में 24 लेखकों को वार्षिक पुरस्कार। घ) सदस्यों को 2 आम परिषद बैठकों, 3 अधिशासी बैठकों, 2 वित्त समीति बैठकों, 24 भाषा सलाहकार समिति बोर्ड बैठकों और 24 भाषा सलाहकार बैठकों के लिए यात्रा भत्ता। ड.) 15 राज्य अकादमियों को यात्रा भत्ता प्रदान करने के लिए सहायता तथा 3 प्रख्यात लेखकों को मानदेय। च) 10 प्रख्यात भारतीय लेखकों को चिकित्सा सहायता जो लंबी बीमारी से पीड़ित हैं।	ख) 10 साहित्यिक विनिमय कार्यक्रम। ग) 24 भाषाओं में 24 लेखकों को वार्षिक पुरस्कार। घ) सदस्यों को 2 आम परिषद बैठकों, 3 अधिशासी बैठकों, 2 वित्त समीति बैठकों, 24 भाषा सलाहकार समिति बोर्ड बैठकों और 24 भाषा सलाहकार बैठकों के लिए यात्रा भत्ता। ड.) 15 राज्य अकादमियों को यात्रा भत्ता प्रदान करने के लिए सहायता तथा 3 प्रख्यात लेखकों को मानदेय। च) 10 प्रख्यात भारतीय लेखकों को चिकित्सा सहायता जो लंबी बीमारी से पीड़ित है।	करने के लिए अनुसूचित तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(v)	**अकादमी प्रकाशनों/ पुस्तक की बिक्री/ प्रदर्शनियों का संवर्धन**	इसका उद्देश्य गहन रूप से अकादमी के प्रकाशनों की बिक्री बढ़ाने साहित्यिक जर्नलों के माध्यम से अकादमी के प्रकाशनों का विज्ञापन करना है। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियॉ आयोजित करना और उनमें भाग लेना।			क) पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले, अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता आदि सहित 200 प्रदर्शनियों और मेलों का आयोजन प्रस्तावित है। ख) अकादमी प्रकाशनों के बिक्री का विकास एवं प्रचार प्रसार, 100 विज्ञापन निकालना।	क) पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले, अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता आदि सहित 200 प्रदर्शनियों और मेलों का आयोजन प्रस्तावित है। ख) अकादमी प्रकाशनों के बिक्री का विकास एवं प्रचार प्रसार, 100 विज्ञापन निकालना।	यह एक अनवरत स्कीम है।	
(vi)	अनुवाद स्कीम, क्षेत्रीय साहित्य अध्ययन परियोजनाएं भाषाओं का विकास, अध्येतावृति; कुमार स्वामी व प्रेमचंद, बाल साहित्य पुरस्कार और युवा, पुरस्कार।	यह स्कीम की साहित्यिक गतिविधियों की धुरी है जिसके अधीन 24 भाषाओं में वार्षिक रूप से अनुवाद पुरस्कार दिए जाते हैं अन्तर क्षेत्रीय अध्ययन करने के लिए 4 क्षेत्रीय बोर्ड का गठन किया गया यह 24 मान्यता प्राप्त भाषाओं का विकास और प्रोत्साहित करने का कार्य करते है। भाषाओं के विकास के लिए अकादमी द्वारा बड़ौदा में स्थापित एक प्रोजेक्ट कार्यालय विभिन्न साहित्यिक गतिविधियां चलाता और आयोजित करता है और अनुवाद कार्यशालाएं आयोजित करता है। विदेशी लेखकों			क) अनुवाद केन्द्र – प्राचीन, आधुनिक–पूर्व और आधुनिक भारतीय श्रेष्ठ ग्रंथों का अनुवाद शुरू किया गया है और नियमित कार्यशालाएं भी नियमित रूप से चलाई जाती हैं। ख) साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार। ग) पुरस्कार पाने वाली 24 पुस्तकों का अनुवाद। घ) बाल साहित्य का अनुवाद। वार्षिक आधार 4 कार्यशालाएं	किसी भी भाषा के आधुनिकीकरण के लिए अनुवाद एक सषक्त एवं सक्रिय उपस्कर होता है। इससे अकादमी को व्यापक स्तर पर यथासंभव पाठक मिल जाते हैं जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के हो सकते हैं। इससे अंतर – क्षेत्रीय अद्यन की परिकल्पना	यह एक अनवरत स्कीम है तथा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुसूचित तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		और विद्वानों को उनकी विशिष्ट अवधि के लिए आमंत्रित किया जाता है ताकि भारतीय/ साहित्य/भाषाओं के संबंध उनकी साहित्यिक जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके, युवा सृजनात्मक लेखकों/ बच्चों को पुरस्कार देना।			और पर 4 सेमिनार भी 4 क्षेत्रीय बोर्डों के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे। मध्यकालीन एवं प्राचीन भारतीय साहित्य संबंधी कार्य भी किए जाएंगे। अन्य भाषाओं को मान्यता देने के लिए प्राप्त होने वाले अनुरोध पर विकास बोर्ड विचार करेगा और उनके प्रसार के लिए सिफारिश करेगा। भाषाओं को समृद्ध बनाने और उनके आधुनिकीकरण तथा प्रचार के लिए लेखकों / विद्वानों को भाषा सम्मान दिया गया, जन जातीय साहित्य और मौखिक परंपरा : आवधिक कार्यशालाएं, जनजातीय साहित्य की शिक्षाओं पर आयोजित किए जाएंगे। आनंद कुमार स्वामी अध्येतावृति एशियाई देशों के विद्वानों को प्रदान की जाएगी ताकि वे अपनी रूचि की परियोजनाओं को आगे बढ़ा सकें। विद्वानों को अध्येतावृति प्रदान की जाएगी जो भारतीय साहित्य में अनुसंधान करते है	भी सामने आती है जिसके तहत भाषाओं के एक भाषायी समूह एक दूसरे के साथ तुलना होने लगती है।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					या जो सार्क देशों से सृजनात्मक लेखन कार्य करते हैं। किसी भी निर्धारित समय के लिए अध्येता और मानद अध्येता कालजयी साहित्य के लिए आरक्षित है जिनकी सीमा 21 तक हो सकती है। – 35 वर्ष से कम की आयु समूह के लेखकों को सभी 24 भाषाओं में युवा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।			
(vii)	प्रशासनिक कार्यकलापों का आधुनिकीकरण / सुधार	इसका उद्देश्य मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में साहित्यिक क्षेत्रों में कंप्यूटर अनुप्रयोग मुहैया करना है। पुराने और अप्रचलित उपकरण / कम्प्यूटर बदले जाएंगे।			कम्प्यूटर और उसकी सहायक सामग्री की खरीद क्षेत्रीय कार्यालय में फर्नीचर की खरीद जिसमें ई.पी.बी.एक्स. फैक्स मशीन, फोटोकॉपी मशीन आदि भी शामिल है, ए.एम.सी., स्टेशनरी की खरीद, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं स्टाफ की दक्षता को बढ़ाती है।	अकादमी के प्रयोक्ताओं/ अधिकारियों और स्टाफ के लिए प्रौद्योगिकी को उन्नति के साथ में रहना।	यह अनवरत योजना है।	
(viii)	**नई परियोजनाएं/ स्कीमे : भारतीय** साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ	इसका उद्देश्य पुस्तकाध्यक्षों, प्रकाशकों और जो संदर्भ के मूल्यवान औजार के रूप में पुस्तक संसार में इच्छुक हैं की सेवा करना है। विश्वकोश के जरिए भारतीय साहित्य की वृद्धि और विकास			मराठी, संस्कृत और सिन्धी के संबंध में एन.बी.आई.एल. (4 खंडों में) शुरू की जाएगी। इनसाइक्लोपिडिया की 6 खंडों की परियोजना तैयार की गई है	साहित्य प्रेमी लोगों के इस्तेमाल के लिए भारतीय और विदेशी भाषाओं में विभिन्न साहित्यिक कार्यों का		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	सूची (एनबीआईएल), भारतीय साहित्य का विश्वकोश, यूरोपियन भारतीय क्लासिक कृतियों का भाषाओं में अनुवाद, भारतीय विमर्श का संकलन	के लिए व्यापक विचार देना। विमर्शात्मक सामग्री के कुछेक निकाय से संबंधित व्यापक भिन्न भिन्न विचार को एक साथ लाना।			जिसके 2 खंड पहले से ही प्रकाशित कर दिए गए हैं। डेमीक्वार्टो साइज में प्रत्येक खंड के लगभग 1000 पृष्ठ हैं। इस इनसाइक्लोपिडिया के लिए ए–वन 100 लेखकों को पूरे देश से विभिन्न विषयों पर अपनी रचना देकर योगदान प्रदान करेंगे। सर्वाधिक महत्वपूर्ण भारतीय क्लासिक का अनुवाद प्रख्यात विदेशी भाषा अनुवादकों द्वारा अनूदित किये जाएंगे जिसके लिए अकादमी उसे विदेशी भाषा में प्रकाशित करने के लिए छूट देगी। 4 अलग अलग परियोजनाएं शुरू करने का इसका प्रस्ताव है, जो संकलन विज्ञान के संबंध में होंगे।	संवर्धन और जनता में जानकारी सृजित करना।		
(ix)	डी.डी.ए. द्वारा आबंटित प्लाट पर कार्यालय भवन का निर्माण	इसका उद्देश्य बिक्री कार्यालय के लिए बेसमेंट में अलग गोदाम रखना और पहली और दूसरी मंजिल पर कार्यालय रखना है।			दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एच.ए.एफ., पॉकेट–बी, सेक्टर–11 द्वारका, नई दिल्ली में 2011.65 वर्ग मीटर का प्लाट आबंटित कर दिया है। बेसमेंट में गोदाम और	दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एचएएफ, पॉकेट –बी, सेक्टर–11 द्वारका, नई दिल्ली में 2011.65 वर्ग मीटर का प्लाट		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रथम तल पर बिक्री कार्यालय रखने का प्रस्ताव है और द्वितीय तल को लेखक गृह के रूप में उपयोग किया जा सकता है।	आबंटित कर दिया है। बेसमेंट में गोदाम और प्रथम तल पर बिक्री कार्यालय रखने का प्रस्ताव है और द्वितीय तल को लेखक गृह के रूप में उपयोग किया जा सकता है।		
6	**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए)**	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की स्थापना स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की स्मृति में स्मरणोत्सव मनाने के लिए की गई थी। इसकी परिकल्पना अनुसंधान, शैक्षिक अनुसरण और कला के क्षेत्र में प्रसार करने के केन्द्र के रूप में की गई है।	––	**32.05**				
(i)	**भवन का निर्माण**	भवन परियोजना, समारोह हाल, राष्ट्रीय थियेटर आदि			आईजीएनसीए भवन; कन्सर्ट हॉल तथा राष्ट्रीय थियेटर आदि का निर्माण कार्य।	आईजीएनसीए भवन; कन्सर्ट हॉल तथा राष्ट्रीय थियेटर आदि का निर्माण कार्य।	एक वर्ष	परियोजना जारी है।
(ii)	विविध कलाओं के बीच बहु	इतिहास मौलिक शब्दों के कोश का प्रकाशन, अन्तः उपभाषा और अन्तः			**निम्नलिखित आयामों पर अध्ययन :–**	मौलिक पाठों के आलोचनात्मक	एक वर्ष	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विषयी अनुसंधान और आलोचनात्मक संवाद का संवर्धन	विषयी शब्दावली, शब्दकोश, कला और विज्ञान के संबंधों का पता लगाना, भारत और विश्व के कलाकारों के बीच संबंध और आयामों का पता लगाना। पूर्वोत्तर और इसके सांस्कृतिक आयामों पर विशेष संकेन्द्रीकृत करना।			(क) अभिज्ञान के विभिन्न स्तर और कलाओं में उनकी अभिव्यक्ति (ख) भाषा और सांस्कृतिक विविधता (ग) विवेक परम्परा, पारिस्थिति की विज्ञान, संसाधन प्रबंधन और सतत् विकास (घ) धार्मिक अस्मिताएं, परम्पराओं का संगम और मिश्रित संस्कृतियां (ड.) अन्तर – सांस्कृतिक संवाद (च) भारतीय कला और संस्कृति में महिलाओं का योगदान	संस्करणों का प्रकाशन, जनजातीय और लोक संस्कृति पर विविध प्रसिद्ध विद्वानों के पाठों का पुनः प्रकाशन करना। अनुसंधान और फील्ड अध्ययन। दृश्य–श्रव्य प्रलेखन। सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाएं प्रदर्शनी और विविध मीडिया गतिविधियां। फिल्मों का निर्माण, सी.डी. दृश्य–श्रव्य रिकार्डिंग।		
(iii)	संसाधन बढाना और आधुनिकीकरण	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की मौलिक स्त्रोत सामग्री – लिखित, मौखिक, श्रवण संबंधी, श्रव्य दृश्य और चित्रात्मक के निधान को बढाना, ताकि इसे कला और संस्कृति के लिए राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में माना जाएं तथा इसके अन्तर्गत आने वाले अन्य प्रभागों के अनुसंधान और प्रकाशन कार्यों में सहायता करना, प्रौद्योगिकी उपकरणों			पुस्तकों, जर्नल्स, दुर्लभ पुस्तकों, की खरीद। निजी संग्रहों आंतरिक डिजिटल फोटोग्राफी के माध्यम से संग्रहों की स्लाइड बनाना और स्लाइड्स की खरीद जिसमें पाण्डुलिपियों की मांइक्रोफिल्मिंग हो। डिज़िटल पुस्तकालय सूचना प्रणाली का आधुनिकीकरण।	पुस्तकालय में पत्रिकाओं, जर्नलों पुस्तकों में इजाफा किया। पुस्तकालय सेवाओं का आधुनिकीकरण रिप्रोग्राफी में अत्याधुनिक उपकरण, स्टेट ऑफ आट्र		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		और पद्धतियों तथा आधुनिक प्रबंधन को बढाना तथा प्रतिस्थापित करना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अधीन विभिन्न केन्द्रों में स्रोत सामग्री को पुनर्निर्माण बढ़ाना, प्राद्योगिकी का उन्नयन तथा प्रदर्शन और प्रदर्शनी के लिए स्थायी वीथियॉ बनाना।			संदर्भ ग्रंथ सूची, रेपोग्राफिक इकाई, श्रृव्य–दृश्य उपकरण, सांस्कृतिक सूचना और दीर्घाओं का सृजन	उपस्कर, कम्प्यूटर केन्द्र और मीडिया निर्माण। कला और शिल्पों के प्रदर्शन के लिए 3 दीर्घाओं की स्थापना करना। पांडुलिपियों, आन्तरिक आधानों, आदि का डिजिटाइजेशन। सांस्कृतिक क्षेत्र में इ–गवर्नेन्स प्रारम्भ करना। पूर्वोत्तर क्षेत्र से प्राचीन सामग्री का संग्रह करना।		
(iv)	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के कार्यालयी उपकरणों का आधुनिकीकरण	फर्नीचर और उपकरण सहित कार्यालय को सज्जित करना अत्याधुनिक भवन के डिजाइन और संरचना को बनाए रखना।			आई.जी.एन.सी.ए. में कार्यालय उपस्करों का आधुनिकीकरण।	आधुनिक उपकरण लगाना, कार्य क्षमता और बेहतर कार्य स्थितियों में वृद्धि करना। कार्यालय को फर्नीचर और उपकरण से सुसज्जित करना और स्टेट ऑफ आट्र भवन की संरचना और	आई.जी.एन.सी.ए. में कार्यालय उपस्करों का आधुनिकीकरण।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						डिजाइन के अनुरूप बनाना।		
(v)	राष्ट्रपति भवन परियोजना के प्रलेखन का बहुखंड।	राष्ट्रपति भवन की बहुखंड प्रलेखन परियोजना में मैदानों और राष्ट्रपति भवन के बागानों को शामिल किया गया है। पुरातात्विक महत्व में इसका वास्तुक अहम है जिसमें स्मारक, चित्र और भित्तीचित्र, फर्नीचर और गलीचे शामिल है। फ्लोरा और फोना, इंसीडेंटल हिस्ट्री, राष्ट्रपति के अंगरक्षक और देहरादून, मार्सोब्रा और हैदराबाद में रिट्रीट।			इस परियोजना की अवधि तीन वर्ष की होगी। अतः कॉलम सं. 3 में उल्लीखित कार्य को शुरू किया जाएगा और 3 वर्षों के दौरान चरणबद्ध रूप से पूरा किया जाएगा।	इस परियोजना की अवधि तीन वर्ष की होगी। अतः कॉलम सं. 3 में उल्लीखित कार्य को शुरू किया जाएगा और 3 वर्षों के दौरान चरणबद्ध रूप से पूरा किया जाएगा।	एक वर्ष	परियोजना जारी है।
(vi)	सांस्कृतिक मानचित्र कला	भारत के विविध समुदायों के बीच प्रचलित परम्परागत कला और शिल्प के विशिष्ट रूपों सहित परिस्थितिकी की योजना तथा सांस्कृतिक रूपरेखा।			सांस्कृतिक मानचित्र कला	भारत के विविध समुदायों के बीच प्रचलित परम्परागत कला और शिल्प के विशिष्ट रूपों सहित परिस्थितिकी की योजना तथा सांस्कृतिक रूपरेखा।	सांस्कृतिक मानचित्र कला	
6 (क)	**राष्ट्रीय दृश्य–श्रव्य सामग्री अभिलेखागार**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी केन्द्रीय आंकडें बैंक और एकीकृत जानकारी एवं वास्तविक प्रलेखित सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।	––	––	परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च 2017 निर्धारित की गई है। प्रायोगिक परियोजना संस्कृति मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। परियोजना	परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च 2017 निर्धारित की गई है। प्रायोगिक परियोजना संस्कृति		चालू परियोजना

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					को संस्कृति मंत्रालय के अनुमोदन के बाद ही शुरू किया जाएगा।	मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। परियोजना को संस्कृति मंत्रालय के अनुमोदन के बाद ही शुरू किया जाएगा।		
7.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**12.24**	**28.96**	ये विद्यालय पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए निर्धारित निधि और टी.एस. पी. के लिए निर्धारित निधि से अपनी विभिन्न गतिविधियां/ कार्यक्रम चलाता है।			सामान्यतया प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	देश के विभिन्न भागों में रंगमंच कार्यशाला और अंशकालिक कार्यक्रम पाठ्यक्रम आयोजित करना तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम दिल्ली और दिल्ली से बाहर प्रशिक्षण	विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			पूरे देश में 50 रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। जिसमें केंद्रण के भिन्न – भिन्न क्षेत्र होंगे जिनका उद्देश्य थियेटर संबंधी साहसिक गतिविधियों को विभिन्न राज्यों में लाभान्वित किया जाएगा और विविध भाषाओं को कवर किया जाएगा। जिसमें लघु अवधि और सघन थियेटर कार्यशालाएं शामिल हैं।	विविध भाषाओं तथा विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति रंगमंच जागरूकता और व्यापक स्तर पर अनेक थियेटर संबंधी साहसिक गतिविधियों को लाभान्वित किया जाएगा तथा थियेटर संबंधी जागरूकता पैदा की जाएगी, साथ में थियेटर संबंधी	वर्ष के दौरान।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पाठ्यक्रम/बाल रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित करना।					दक्षताओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।		
(ii)	दिल्ली और दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच/ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करना।	बच्चों का व्यक्तिव विकास करना तथा उनकी अभिव्यक्तियों और आत्मविश्वास को उद्घाटित करना।			वर्ष के दौरान लगभग 8 बाल रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रस्ताव है। कार्यशालाओं का मुख्य जोर ऐसे वातावरण का सृजन करना है जिससे बच्चों में नये प्रश्न पैदा हो, जिससे वे इन नाटकों के माध्यम से हासिल जागृति से अपनी पसंद के अनुसार निर्णय ले सकें।	बच्चों को रंगमंच की नई–नई तकनीकें सीखने का अवसर मिलेगा। जिससे बच्चों के व्यक्तिव का विकास होगा और उनमें स्वाभिमान की जागृति इन थियेटर कार्यशालाओं और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से संभव होगी।	वर्ष के दौरान	
(iii)	गांवों में पारंपरिक समूह का सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन	गांवों में परम्परागत समूहों के साथ सहयोगी कार्यशालाएं आयोजित कर देश के विभिन्न क्षेत्र में अपनाई जा रहे कला रूपों सहित नाट्य कला में 3 वर्षीय डिप्लोमा मुहैया करना, रंगमंच उत्सव और प्रदर्शनियां			पारंपरिक समूहों के साथ रंगमंच कार्यशालाएं और अभिनय। – विद्यार्थियों अध्येताओं और सहयोगी रंगमंच समूहों द्वारा अभिनय। – विद्यार्थियों के निर्माण सहित सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत विदेशी दौरें।	देश के विभिन्न क्षेत्रों में परंपरागत समूहों द्वारा अपनाई जा रही रंगमंच कला /प्रदर्शन से छात्रों को अवगत कराना थियेटर के पारंपरिक रूपों को लोकप्रिय बनाना। छात्र	वर्ष के दौरान।	* अन्य देशों और थियेटर संस्थानों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रदर्शनियां शैक्षिक कार्यक्रम, नयी सचल विज्ञान प्रदर्शनी इकाइयॉ, नयी प्रशिक्षण सुविधाएँ, देश के विभिन्न भागों में एमएस पाठ्यक्रम				(फेस 2), "एवोल्यूशन" दीर्घा, एस.एस.सी. पटना (फेस 2), आर. एस.सी. भुवनेश्वर में "गणित" दीर्घा, एन.बी.एस.सी. सिलिगुड़ी "हरित ऊर्जा" दीर्घा, डी.एस.सी. डीहा "फन साइंस", डी.एस.सी. पुरूलीया "जीव – विज्ञान" दीर्घा में प्रदर्शनियों का आयोजन। एन. एस.सी., दिल्ली में कम्यूनीकेशन सागा पर मल्टीमिडिया प्रदर्शन। एन.एस. सी., दिल्ली में एच.बी. दीर्घा (फेस 1)। आर.एस.सी., लखनऊ में "खेल प्रदर्शनी"। वी.आई.टी. एन. बैंगलोर में वी.आई.टी.एम. के 50 वर्ष पूरे होने पर "अंतरिक्ष" दीर्घा, "भारतीय न्यूक्लियर कार्यक्रम" पर डी.एस. सी. तिरूवालवेली में एन.पी.सी. आई.एल. प्रदर्शनी और डी.एस. सी. गुंलबर्ग विज्ञान पार्क प्रदर्शनी का कार्य 2014–15 में पूरा कर लिया जाएगा। दो अन्य यात्रा प्रदर्शनियों का विकास किया जाएगा। इसके अलावा बियॉड दी लिमिट सचल			परियोजना को चार तिमाहियों में पूरा किया जाएगा।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रदर्शनीः ''सुब्रहमण्यन चंद्रशेखर'', 'रेडियेशन्स अराउण्ड अस' "मानव – कल्याण के लिए रसायन विज्ञान", "आपदाः सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहना", "श्रीनिवास रामानुजनः दी मैन हू न्यू इनफिनिटी", "लेजर", धारणीय ऊर्जा आदि का सतत परिचालन जारी रहेगा। एन.एस.सी., मुम्बई में राष्ट्रीय सेमिनार, एन.एस.सी., दिल्ली में मेंला और बी.आई.टी. एम., कोलकाता में मेला वर्ष के दौरान आयोजित किया जाएगा। कार्य आधारित – विज्ञान – शिक्षण और कम्प्यूटर समर्थित लर्निंग पर बी.आई.टी.एम., कोलकाता में अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम। विज्ञान नाटक प्रतियोगिता, विज्ञान शिविर, विज्ञान प्रदर्शन व्याख्यान, विज्ञान प्रश्नोत्तरी आदि एन.सी.एस.एम. के अधीन कार्यरत सभी संग्रहालयों और केंद्रों द्वारा आयोजित किये जाएंगे। एन.सी. एस.एम. (मुख्यालय) के हॉस्टल			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					ब्लॉक में द्वितीय तल पर अतिथि गृह का नवीकरण, एन.सी.एस.एम. (मुख्यालय) में लिफ्ट लगाना, एन.सी.एस.एम. (मुख्यालय) के आवासीय ब्लॉक के आंतरिक भाग में रंगरोगण, छात्र विज्ञान हॉल – सह – प्रदर्शनी भण्डार सुविधा का बी. आई.टी.एम., कोलकाता आदि में निर्माण कार्य वर्ष 2014 – 15 में शुरू किया जाएगा। विज्ञान संचार में एम.एस. पाठ्यक्रम जारी रहेगा, प्रलेखन परंपरागत ज्ञान प्रणाली का कार्य और एस. एण्ड टी. में भारतीय विरासत संबंधी कार्य "भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास पर साहित्य की पहचान" संबंधी समिति के भाग के रूप में जारी रहेंगे।			
(ii)	केन्द्रीय प्रापण अन्य मुख्य उपस्करों और एल.एफ.एफ.पी. / 3डी. फिल्म	विभिन्न क्षेत्रीय विज्ञान केंद्रों का आधुनिकीकरण करना और उनको अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करना।			विज्ञान और संस्कृति पैनोरमा के लिए अंकीय प्रक्षेपण एकक, दो (2) के लिए स्फियर पर विज्ञान राष्ट्र स्तरीय विज्ञान केंद्र, आर. एस.सी. तिरूपति, आर.एस.सी.	3डी प्रोजेक्शन प्रणाली लार्ज फॉर्मेट फिल्म और स्पार्क थियेटर उपकरण खरीदे जाएंगे।	पूरे वर्ष के दौरान।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					नागपुर, आर.एस.सी. भोपाल, के लिए स्पार्क थियेटर उपस्कर, तथा आर. एस. सी. तिरूपति, आर.एस.सी. नागपुर और आर. एस.सी. भोपाल के लिए वर्चुअल रियेलिटी प्रदर्शन।	देश में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन दिया जाएगा।		
(iii)	पूर्वोत्तर राज्यों में नयी परियोजनाएँ – आर एस सी, गुवाहाटी एसआरएससी, जोरहाट, शिलांग, मणिपुर और मिजोरम, सुकांत अकादेमी, अगरतला, त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र, स्वायत्तशासी जिला परिषद, (टी.टी.ए.ए.डी.सी.)	उस क्षेत्र के लोगों तथा विशेषतः छात्रों के मन में वैज्ञानिक रूझान बढ़ाना।			आर.एस.सी., गुवाहाटी में नई प्रदर्शनी आदि संस्थापित करके उसकी अवसंरचना और मौजूदा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। एस. आर.एस.सी., शिलॉग, मणिपुर और मिजोरम के स्तरोन्नयन कार्य के साथ एस.आर.एस.सी. गंगटोक में प्लैनेटोरियम के कार्य में विस्तार तथा सुकांत अकादमी त्रिपुरा के लिए प्रदर्शनियों का विकास।	पूर्वोत्तर क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना। पूर्वोत्तर क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना	अनुमानित परिणाम 2014–15 के दौरान प्राप्त किए जाएंगे। वर्ष के दौरान	
26	**विज्ञान शहर**	देश के चुनिंदा केन्द्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	–	**50.00**				सामान्यतया गैर योजना अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
								है।
	जारी नई परियोजनाएं – आर.एस.सी., कोयम्बटूर, आर. एस.सी.,.जयपुर,. आर.एस.सी., पिलिकुला, पी.सी. एम.सी., पूणे, आर. एस.सी., देहरादून, एस.आर.एस.सी.,. देहरादून,.एस.आर. एस.सी., जोधपुर, एस.आर.एस.सी.,. पांडिचेरी तथा विज्ञान केन्द्र, कोलकाता में साइंस एक्सप्लोरेशन हॉल (दूसरा चरण), एस.आर.एस.सी., श्रीनगर, आर.एस. सी., मैसूर, एस. आर.एस.सी., बारागढ, (उड़ीसा),	महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान, पुडुचेरी (सं.रा.क्षे.) असम पश्चिम बंगाल, जम्मू, कर्नाटक, उडीसा, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, हरियाणा राज्यों में नए विज्ञान केन्द्रों की स्थापना			उपक्षेत्रीय विज्ञान केंद्र (एस.आर. एस.सी.) पुडूचेरी का कार्य वर्ष 2014–15 में पूरा हो जाएगा। एस.आर.सी. देहरादून की परियोजनाओं का कार्य गुवाहाटी (असम) में क्षेत्रीय विज्ञान सिटी एस.आर.एस.सी. श्रीनगर (जम्मू कश्मीर), एस.आर.एस.सी. अम्बाला (हरियाणा), एस.आर.सी. उदयपुर (त्रिपुरा), एस.आर.ए.सी. बरगढ़ (ओडिशा), आर.एस.सी., यू.टी. चंडीगढ़, आर.एस.सी. कोट्टयम (केरल), आर.एस.सी., मैसूर (कर्नाटक) और एस.आर. एस.सी., राजमूंदरी (आंध्र प्रदेश) की स्थापना वर्ष 2014 –15 के दौरान जारी रहेगी।	क्षेत्र के लोगों के मध्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाने तथा वैज्ञानिक अभिरूचि और जागरूकता के सृजन की दिशा में विज्ञान का प्रसार करना। परियोजना के पूरा होने पर अनुमानित परिणाम प्राप्त किए जाएंगे।	अनुमाणित परिणाम 2014–15 के दौरान प्राप्त किए जाएंगे।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	एस.आर.एस.सी., उदयपुर (त्रिपुरा), एस.सी., राजमुंदरी, आर.एस.सी., चण्डीगढ, और एस.आर.एस.सी.,. अम्बाला ।							
	पूर्वोत्तर में विज्ञान केन्द्र आर.एस.सी., गुवाहाटी, एस. आर.एस.सी., गंगटोक, शिलांग मणिपुर और मिजोरम, सुकांता अकादमी, त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टी.टी.ए. ए.डी.सी.)	पूर्वोत्तर में बड़ी संख्या में जनता और विशेष रूप से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति उत्सुकता जागृत करना			आर.एस.सी. गुवाहाटी में नई प्रदर्शनी का संस्थापन कर मौजूदा सुविधाओं में वृद्धि कर उसका सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। एस.आर.एस.सी. गंगटोक में विस्तार संबंधी कार्य तारामंडल के साथ किया जाएगा। एस.आर.ए.सी. शिलॉग, मणिपुर, मिजोरम का क्रमोन्नयन किया जाएगा और सकुंता अकादमी, त्रिपुरा में प्रदर्शनियों का विकास किया जाएगा।	क्षेत्र के लोगों के मध्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाने तथा वैज्ञानिक अभिरूचि और जागरूकता के सृजन की दिशा में विज्ञान का प्रसार करना। परियोजना के पूरा होने पर अनुमानित परिणाम प्राप्त किए जाएंगे।		
27	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**	जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मानव जनसंख्या पर अनुसंधान कार्यकलाप पूरे करना। इसके कार्यकलापों में नृजातीय सामग्रियों तथा प्राचीन मानव कंकाल	**18.78**	**15.00**	योजना शीर्ष के अधीन उनके बजट का लगभग 30–40 प्रतिशत टीएसपी के अधीन सांस्कृतिक आदिवासी			सामान्यतया गैर–योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		संबंधी अवशेषों का संग्रहण, परिरक्षण, अनुरक्षण, प्रलेखन और अध्ययन शामिल हैं।			कार्यकलापों के लिए निर्धारित किया गया है। उनके बजट के अलावा एमईआर में कार्यकलापों के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि आबंटित की गई है।			लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	प्रलेखन और प्रचार–प्रसार	8 क्षेत्रीय केन्द्रों और कोलकाता स्थित केंद्रीय राष्ट्रीय पुस्तकालय में मानव विज्ञान पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना तथा संग्रहालय के सुदृढ़ीकरण व क्षेत्रीय संरचना सहित संग्रहालय का रख–रखाव भी करना। भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रलेखन के भाग के रूप में विशिष्ट तथ्यों पर परभक्षी नृजाति फिल्म का सर्वेक्षण।			6000 पुस्तकालय पुस्तकों के लिए, 7 क्षेत्रीय केन्द्रों, 1 उप क्षेत्रीय केन्द्र, 2 फिल्ड स्टेशन और 1 कैम्प ऑफिस के लिए अधिप्राप्ति। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के तहत सभी मौजूदा पुस्तकालयों के रिट्रो कनर्वशन तथा डिजिटाइजेशन सर्वेक्षण में सभी पुस्तकालयों को कोलकाता में एन. साइंस के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय के साथ परस्पर सम्बद्ध करना। यह सर्वेक्षण 1 केन्द्रीय तथा 7 क्षेत्रीय संग्रहालयों में किया गया। उदयपुर में नवनिर्मित भवन में एन. सग्रहालयों का लगभग 75 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो गया है। सर्वेक्षण के सभी संग्रहालयों में मूर्त सांस्कृतिक विरासत के लगभग 1000	सर्वेक्षण पुस्तकालय देश भर में मानव विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में कार्य कर रहे हैं जिनके जरिए विभिन्न अकादमियों और अन्य संगठनों के 500 शोधकर्ता/प्रोफेसर /प्रशासक संदर्भ और प्रलेखन के केन्द्र के रूप में इस पुस्तकालय की सहायता लेते हैं। संग्रहालय में सर्वेक्षण के विभिन्न परिणाम प्रदर्शन कार्यक्रम के भाग के रूप में जनता के लिए प्रदर्शन हेतु	यह एक सतत् प्रक्रिया है।	क्योंकि विभिन्न स्थानों पर अनेक टीमों द्वारा इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अतः किसी भी जोखिम कार्य की प्रत्याशा करना मुश्किल है। जन साधनों की कमी आ सकती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	राष्ट्रीय दृश्य मानव विज्ञान केन्द्र, कोलकाता डब्ल्यू.आर.सी.,. उदयपुर में नए भवन में सामुदायिक ज्ञान हेतु राष्ट्रीय केन्द्र				संग्रहण। एन.डब्ल.यू.आर.सी., देहरादून में ओपन एअर म्यूजियम की स्थापना का 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण। सभी संग्रहालयों का संरक्षण कार्य जारी। विभिन्न एन. थीम्स पर 20 प्रदर्शनियों को बढ़ाना। – केन्द्र के लिए सम्पादन व्यवस्था हेतु उपस्कर की अधिप्राप्ति। दृश्य मानवविज्ञान के लिए जनशक्ति प्रशिक्षण हेतु 2 कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। मानव विज्ञान एस.आई. के अनुसंधान कार्मिकों द्वारा 10 डाक्यूमेंट्री फिल्में बनायी जाएंगी और इनकी आउटसोर्सिंग भी होगी। सर्वे द्वारा पहले 5 साइलेंट मूवी में साउंड ट्रेक की व्यवस्था की गयी थी। – डिजिटाइजेशन के लिए उपस्कर अधिप्राप्ति को पूरा करना तथा सेंट्रल डिजिटल डाटा रेपरटरि के लिए सर्वे संस्थापन। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्रों तथा मुख्य कार्यालय हेतु स्थानीय तौर पर डाटा	प्रदर्शित की जाती है।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					डिजिटाइजेशन हेतु और उन्हें केन्द्रीय सर्वे हेतु हस्तान्तरित करने के लिए 2 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।			
(ii)	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	इस समय सर्वेक्षण के पास 47 अध्येता हैं। इसका उद्देश्य 29 अतिरिक्त अध्येतावृत्ति सहित कुल अध्येतावृत्ति की संख्या 76 तक ले जाना है, क्योंकि ये देश में संसाधन की मानव–शक्ति को संसाधन के रूप विकसित करने का एक महत्वपूर्ण घटक हैं।			लक्ष्य है कि जैसे ही मौजूदा अध्येताओं का कार्यकाल पूरा हो जाता है सभी रिक्तियों पर शीघ्रता से भर्ती की जाएं उस सर्वेक्षण के अलावा एम.ओ.सी. से अध्येताओं की संख्या को 47 से बढ़कार 147 करने के लिए अनुमति मांगी गई है ताकि संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिए 12वीं योजना की परियोजनाओं के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। यह मामला संस्कृति मंत्रालय के पास शेष है।	सर्वेक्षण में जनसाधन विकास की यह एक सतत प्रक्रिया है। भर्ती किये गए सभी अध्येताओं को राष्ट्रीय परियोजनाओं के स्थान पर नियोजित किया गया है, जो वर्ष 2014 – 15 के दौरान कार्य करते रहेंगे, चूंकि सर्वे के दौरान नीतिगत निर्णय लिया गया है कि अनुसंधान अध्येताओं के सहयोग से राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं को जारी रखा जाए। अतः 12वीं योजना के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय परियोजनाओं के तहत इन अध्येताओं का	फिलहाल सर्वेक्षण के पास विभिन्न श्रेणियों में 47 अध्येतावृत्तियां हैं।	लंबित है। जैसाकि प्रस्तावित है, विद्यमान 47 अध्येताओं के अलावा विभिन्न श्रेणियों में अध्येताओं की संख्या में वृद्धि करने का लक्ष्य प्राप्त करना शेश है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						कार्य जारी रखा जाएं।		
(iii)	जनशक्ति प्रशिक्षण / सलाहकार / कार्यकारी समिति / विशेषज्ञों की बैठकें सहकारी स्कीमें सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रकाशन	विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैठके करना और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है जिनमें बाह्य विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसके अलावा कार्यकारी परिषद की आंतरिक बैठकें की जाएंगी। सर्वेक्षण के विभिन्न कार्यक्रमों, जिनमें प्रयोगशाला सूचना प्रणाली भी शामिल है, का कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा ताकि सर्वर आधारित इंटरनेट सेवा सृजित की जा सके।			आंतरिक कार्यशालाओं या उन्हें अन्य संस्थानों / सेमिनारों / सिम्पोसियम आदि में अन्य के साथ सहभागिता के रूप में भेजते हुए कम से कम 50 कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। लगभग 7 एन.ए.सी. बैठके जिनमें सलाहकारी उपसमिति की बैठक भी शामिल है का आयोजन वर्ष के दौरान किया जाएगा ताकि सर्वेक्षण संबंधी सभी गतिविधियों में मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके और मौजूदा कार्यों का मूल्यांकन किया जा सके। वर्ष के दौरान लगभग 4 ई.सी. बैठकों का आयोजन किया जाएगा। सभी सर्वेक्षण गतिविधियों तथा मौजूदा कार्य के मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शन देना। विश्वविद्यालय एन.जी.ओ. के साथ 20 सहयोगी कार्य, सम्मेलनों और कार्यशालाओं के आयोजन किए गए तथा	योजना परियोजना के संदर्भ में सतत् प्रयास शामिल कर मानव संसाधन प्रबंधन और प्रशिक्षण कार्यान्वित किया जा रहा है। मानव विज्ञान के विश्वविद्यालय विभागों और अन्य संस्थानों के सहयोग से यह आपसी लाभ के लिए होगा। – मानव विज्ञान के संदर्भ में विभिन्न सूचना उपलब्ध कराने के लिए शोध विद्वानों और अन्यों की सहायता करना।	यह एक सतत् प्रक्रिया है।	जनशक्ति की कमी होने के कारण सर्वेक्षण ने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने के लिए जनशक्ति को आउटसोर्स करना जारी रहेगा।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					कार्यशालाओं /प्रशिक्षणों के लिए 10 सहयोगी कार्य किये गए जिनमें अध्यापकों और छात्रों द्वारा डिग्री/ स्नातकोत्तर स्तर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की इस वर्ष के दौरान भाग लेने की संभावना है। सतत् रूप से वैबसाइट और प्रयोगशाला डाटा प्रबंधन प्रणाली का स्तरोन्नयन और द्विभाषी प्रणाली को जारी रखना। अनुरक्षण सेवा आधारित इंटरनेट सेवा और सर्वर आधारित यू.पी. एस. सेवा का रख – रखाव किया। 50 प्रकाशन और आंतरिक जर्नलों (के. ए. एस. आई.) के 2 खण्ड, जिनमें अनुसंधान सामग्री और 4 आवसरिक न्यूज पत्र निकाले जाएंगे।			
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी शुरू करना।	सर्वेक्षण में विकसित डीएनए अध्ययन में वृद्धि करना और डीएनए बैंकिंग का अनुरक्षण करना। पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी और मुख्यालय और क्षेत्रीय/ उप क्षेत्रीय केंद्र डी.एन.ए.			कोलकाता, मैसूर, नागपुर, षिलॉग, उदयपुर, देहरादून और पोर्ट ब्लेयर में पूर्व में विकसित अवसंरचना का पूरी तरह रख – रखाव कम से कम कम एक	उन्नत डी.एन.ए. प्रयोगशालाएं डी.एन.ए. अनुसंधान में सहायक होगी और अनुसंधान निष्कर्षों के माध्यम से	यह सतत् प्रक्रिया है।	इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	डी.एन.ए. बैंकिंग समुदाय जैनेटिक्स एवं स्वास्थ्य।	बैंकिंग प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास करना और मुख्यालय तथा क्षेत्रीय /उपक्षेत्रीय केंद्रों में डी.एन.ए. बैंकिंग। देश में मानव जैनेटिक्स स्रोतों के प्रबंधन हेतु नियामक व्यवस्था विकसित करना तथा आई.पी.आर. नितिगत मुद्दों की सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना।			पूर्ण जिनोम का प्रापण। डी.एन.ए. अनुसंधान की सुविधा के लिए 1 अनुक्रमक 40 डिग्री से डिफ्रीजर की 2 यूनिट और 20 डिग्री से रेफ्रीजरेशन की 2 यूनिट, डी.एन.ए. प्रयोगशालाओं के लिए खरीद की। सहयोगी प्रयास के रूप में कम से कम 1 विश्वविद्यालय के साथ अग्रिम सुविधाएं स्थापित की। लगभग 2700 रक्त के नमूनों को भण्डार में रखा जाएगा, जो नए और मौजूदा कार्यालय भवनों के कार्यात्मक आधुनिकीकरण के तहत उल्लिखित परियोजना के एकत्रित किये जाएंगे तथा सामाजिक प्रभाव आकलन क्षमता भवन परियोजना के रूप में रहेगा।	देश के विकास के लिए सक्रिय रूप से ज्ञान आधार प्रदान करेंगी। भारत सरकार के कुछ मंत्रालयों को अपने संसाधनों को एक साथ रखना होगा ताकि इस सुविधा को स्थापित किया जा सके जिसमें विविधता के साथ नमूनों, डी. एन.ए. के अन्य स्रोतों और सैल लाईन्स को भी शामिल किया जा सकता है।	12वीं योजना अवधि में इस कार्यक्रम को एक सतत परियोजना के रूप में जारी रखा जा सकता है।	जन संसाधनों के अभाव में परियोजना अनुसंधान कार्य प्रभावित हो सकता है।
(v)	समकालीन भारतीय जनसंख्या तथा प्राचीन कंकाली सामग्री की डी.	मानव जीनोम अनुसंधान में नवीनतम विकास को ध्यान में रखते हुए सांस्कृतिक प्रचलनों, जीवन शैली और प्यार्वरण के अनुरूप समसामयिक भारतीय जनसंख्या के डीएनए			10 समुदायों से रक्त के नमूने एकत्रित करना, परियोजना के उद्देश्य से 100 नमूने एकत्रित करना मानव जिनोम विविधता के आंकड़ों का पूर्ण विश्लेषण।	विकास को समझने के लिए डाटाबेस सृजित करना और समकालीन भारतीय आबादी में बीमारियों के विकास	इस कार्यक्रम को 12वीं योजना अवधि के दौरान चालू अनुसंधान अध्ययन परियोजना	इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	एन.ए. पोलिमोरफिजम	पोलिमोरफिजम को समझना आवश्यक है!			कार्य के मूल्यांकन के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस परियोजना के अनुसंधान निष्कर्षों के आधार पर 4 वैज्ञानिक पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे।	के लिए	के रूप में जारी रखा जाना है।	
(vi)	पूर्वोत्तर भारत में बच्चों की शारीरिक वृद्धि और विकास – एक सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा।	पूर्वोत्तर भारत के 0–18 वर्ष की आयु के बच्चों के विकास के जीव–सांस्कृतिक निर्धारको को समझना।			परियोजना के उद्देश्य से 1000 नए लोगों को मापित किया जाएगा। पूर्व कार्यों का सम्पूर्ण विश्लेषण। जे.ए.एस.आई. में इन परियोजना के आधार पर एक कार्यशाला आयोजन ओर 2 वैज्ञानिक पेपर्स का प्रकाशन किया जाएगा।	इसका परिणाम भारत में बच्चों के विकास में वृद्धि और रख–रखाव के लिए उचित प्रणाली विकसित करने में सहायता के अनुरूप होगा।	इस कार्यक्रम को 12वीं योजना में अनवरत परियोजना के रूप में जारी रखा जाना है।	इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।
(vii)	सिवालिक उत्खनन और देश के अन्य भाग	नर्मदा सागर बांध की घाटी के अन्वेषण योग्य जलमग्न की दृष्टि में केन्द्रीय नर्मदा का विस्तार और सुव्यवस्थित अन्वेषण और उत्खनन।			शिवालिक रेंज में उत्खनन स्थल पर कम से कम एक क्षेत्रीय शिविर आयोजित किया जाएगा। अनुसंधान निष्कर्षों का पूर्ण विश्लेषण किया जाएगा। परियोजना पर जे.ए.एस.आई. में कम से कम एक वैज्ञानिक लेख प्रकाशित किया जाएगा।	पलियो मानव षास्त्र प्रमाण सहित भारत में मानव विकास का पुनर्मूल्यांकन करना।	यह कार्यक्रम 12वीं योजना में जारी रहेगा।	इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।
(viii)	मानव विज्ञान का अंतरराष्ट्रीय विद्यालय	इसमें ऐसे अंतरराष्ट्रीय संकाय की सेवाओं की परिकल्पना है जो शिक्षण में और सर्वेक्षण मानव जिनोम परियोजना			प्रत्येक वर्ष में दोनों आंतरिक वैज्ञानिक सदस्यों और बाहरी संस्थानों से आए विद्वानों के	मानव विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए	यह एक सतत अनुसंधान प्रशिक्षण अभिमुखी कार्यक्रम	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		सहित सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधि चलाने से मानवशास्त्र सहित जीवन विज्ञान के सिद्धांत और पद्धति का आमूल परिवर्तन है।			लिए 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम इस स्कीम के तहत आयोजित किये जाएंगे।	अंतरराष्ट्रीय संकाय शामिल करने के लिए तंत्र।	है।	
(ix)	समुदाय अनुवांशिक और स्वास्थ्य (समुदाय अनुवांशिक विस्तार कार्यक्रम)	मानव अनुवांशिकी में नए विकास और इसकी जटिलताओं को मानव आणविक विकास और इसके अपनाने के संबंध में आम आदमी और स्कूल के बच्चों के ध्यान में लाने की आवश्यकता है।			थैलेसिमीया सिकल सैल एनीमिया और जी.6पी.डी. कमी के लिए उच्च जोखिम क्षेत्रों पर सामुदायिक जेनेटिक्स। हीमोग्लोबिन अव्यवस्थाओं के 1000 नमूने का सुनिश्चित करना और उनका पूर्णतया विश्लेषण। इस परियोजना के अनुसंधान निष्कर्षों पर आधारित पर आधारित 3 वैज्ञानिक दस्तावेजों का प्रकाशन किया जाएगा।	सिकल सैल, एनीमिया और थैलेसिमीया जैसी कुछेक बीमारियों पर मानव विज्ञान विषय और इन बीमारियों के पैदा होने से रोकथाम	यह सतत् अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रम।	इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।
(x)	मानव और पर्यावरण	जीवमंडल में जैव–सांस्कृतिक विविधता का प्रलेखन। जैव सांस्कृतिक विविधता के ज्ञान का प्रसारण तथा जनसंख्या की वहनीयता।			2 जीव मंडलों का अध्ययन किया जाना है। प्रकाशनीय रूप में पूर्वतर जीवमंडल अध्ययनों की दो रिपोर्टें प्रस्तुत की जानी है। पहले से अध्ययन की गई 2 रिपोर्टों का प्रकाशन किया जाएगा और 1 कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।	जैव सांस्कृतिक विविधता के ज्ञान का प्रसारण तथा जनसंख्या की वहनीयता।	यह एक निरन्तर अनुसंधान प्रशिक्षण योजना है।	
(xi)	क्षमता निर्माण के	एसआईए का कार्य करने के लिए			वर्ष के दौरान 1 एस.आई.ए.			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	रूप में सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	मानव शक्ति का विकास और जहां कही आवश्यक हो, एस.आई.ए. अध्ययन किया जाएगा। – औद्योगिक संस्थापन को आरम्भ करने से पूर्व सरकार को एस.आई.ए. अध्ययन के साथ सहायता करना।			अध्ययन किया जाएगा। पूर्व में अध्ययन की गई 1 एस.आई.ए. रिपोर्ट का प्रकाशन किया जाएगा और कार्य में मूल्यांकन के लिए 1 कार्यशाला आयोजित की जाएगी।			
(xii)	**नई स्कीमें** जीव–सांस्कृतिक विविधता पर्यावरण और बनाए रखने योग्य विकास	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में भारत की जनता की जीव–सांस्कृतिक विविधता का प्रलेखन करना; संसाधनों आधारों की पहचान और प्रलेखन करना; रिसाव जीव–सांस्कृतिक अलेकल का विश्लेषण बनाए रखने योग्य विकास के लिए संसाधनों का स्वामीत्व और उपयोग बहु–परिदृश्यों और नाजुक अन्तर की पहचान से विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करना।			सीमावर्ती गांवों सहित 21 गांवों का अध्ययन और जनजातीय गांवों की पहल की जानी है। पूर्व में अध्ययन किये गए 21 गांवों के संबंध में प्रकाशनीय रूप में रिपोर्टें प्रकाशित की जाएगी। 4 कार्यशालाएं अनुसंधान स्कीम की प्रगति के मूल्यांकन के लिए आयोजित की जाएंगी।	आर्थिक सांस्कृतिक क्षेत्रों के संदर्भ में नीति योजना के लिए जीव सांस्कृतिक। डाटाबेस/संसाधन आधारों की सूची तैयार करना और लोगों के संदर्भ में उनका प्रयोग/बनाए रखने योग्य विकास के लिए माइक्रो योजना के लिए प्रारूप मानदण्ड तैयार करना।	3 या 4 चरणों में क्षेत्रीय कार्य किया जाएगा और उसकी रिपोर्ट लिखी जाएगी, जनसंसाधनों को प्रशिक्षण आदि वर्ष 2014 –15 के दौरान दिया जाएगा।	**अनुसंधानात्मक अध्ययन** XII वीं योजना अवधि में पूरा किया जाएगा।
28.	**नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय**	पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित पुस्तकों, समाचार–पत्रों, अप्रकाशित संदर्भों, गैर–सरकारी पत्रों/फोटोग्राफों, फिल्मों तथा महत्वपूर्ण कागज़ातों के संकलन तथा अनुवाद के लिए भी	13.50	0.01	एन.एम.एम.एल. के लिए रू. 170.00 करोड़ की योजनागत निधि 2013 –14 के दौरान संग्रहित कुल राशि के रूप में उपलब्ध कराई गई थी। यह			सामान्यतया गैर–योजना अनुदान पेंशन ओर सेवा निवृत्ति लाभो सहित प्रशासनिक और

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		उत्तरदायी।			संस्थान इस संग्रहित निधि से मिलने वाले ब्याज का सदुपयोग वर्ष के दौरान किए जाने वाले विकास कार्यों के लिए करेगा।			स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल की जाती है।
(i)	अनुसंधान एवं प्रकाशन (i) अध्येतावृत्तियॉ प्रदान करना। (ii) सीआर परियोजना (iii) प्रकाशन कार्यक्रम (iv) मौखिक ऐतिहासिक प्रभाग के सुदृढीकरण हेतु समकालिक (v) पांडुलिपियों और मौखिक ऐतिहासिक भागों जिनमें अवसंरचना और मल्टीमीडिया पुस्तकालय का डिजीटाइजेशन भी शामिल है को सुदृढ़ करना।	तीन स्तर की अध्येतावृत्तियॉ, अर्थात् वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, अध्येतावृत्तियॉ तथा कनिष्ठ अध्येतावृत्तियॉ प्रदान करना तथा छात्रवृत्तियॉ और वित्तीय सहायता प्रदान करने की व्यवस्था करना। आधुनिक भारतीय इतिहास के अध्ययन को संवर्धित और प्रोत्साहित करने के लिए व्याख्यानों, संगोष्ठियों, परिसंवादों और सम्मेलनों का आयोजन करना।			विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने वाले अध्येताओं को अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने होंगे जिन्हें उनके अंतिम प्रतिलेखन के जरिये प्रकाशित किया जाएगा। अध्येताओं की 6 रिक्तियों को वर्ष 2014–15 के दौरान भरे जाने की संभावना है और अनुसंधान गतिविधियों के विकास के लिए योग्य व्यावसायिकों को ठेके के आधार पर लगाने का प्रस्ताव भी है। श्री राजगोपालाचार्य के चुनिंदा कार्यों के लिए सामग्री का एकत्रीकरण और खण्ड 3 के दस्तावेजों का चयन। – श्रीमती इंदिरा गांधी के प्राक्कथन के साथ जवाहर लाल नेहरू पर पाण्डुलिपि का प्रकाशन। – 28 सेमिनारों, 43 व्याख्यानों,	देश में अध्येतावर्ती कार्यक्रम उन्नत एतिहासिक स्कॉलरशिप का सुदृढ़ीकरण करेगा और इसके परिणामस्वरूप अन्य स्तरीय प्रकाशन और अनुसंधान पेपर निकाले जाएंगे इस संस्थान द्वारा सामाजिक – आर्थिक और आधुनिक भारत के राजनीतिक मुद्दों पर किये गए अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। – सेमिनार कार्यक्रम विद्वानों को अवसर प्रदान करते है जिससे	अनवरत अनुसंधान योजनाओं को जारी रखना एक नियमित कार्यकलाप है। यह एक सतत प्रक्रिया है।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(vi) आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से जनसंसाधन।				12 कार्यशालाओं, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों आदि का आयोजन। प्रख्यात व्यक्तियों की यादों के संस्मरण में रिकॉर्डिंग कार्य और रिकार्डिंग (ज) और प्रतिलेखनों का परिरक्षण। एन. एम.एम.एल. के लिए उपस्कर लेना और प्रख्यात व्यक्तियों की सुविधा के लिए जिन्हें साक्षात्कार और रिकॉर्डिंग के लिए आमंत्रित किया जाता है, के लिए स्टूडियों का क्रमोन्नयन ताकि संस्मरण / साक्षातकार लिए जा सकें। प्रख्यात भारतीय और विदेशी व्यक्तियों के संस्मरणों का परिरक्षण और रिकॉर्ड रखना। – आधुनिक भारत के राष्ट्रीय नेताओं और अन्य प्रख्यात भारतीयों के पेपरज को लेकर इनका परिरक्षण अनुरक्षण। पुराने अभिलेखीय दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन। – नियमित स्टाफ की सेवानिवृति के कारण किये ाजने वाले कार्यों को आउटसोर्स	वे ज्ञान का आदान – प्रदान सुनिश्चित करते है। – एन.एम.एम.एल. अभिलेखागार सामाजिक विज्ञान की दुनिया में छात्रवृतियां नए संग्रहण के ओर ज्यादा बढ़ाती रहेंगी। – संस्थान के विभिन्न विभागों को चलाने के लिए यह सतत् प्रक्रिया है।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					जनसंसाधनों के माध्यम से पूरे किये जाने का प्रस्ताव है।			
(ii)	पुस्तकालयों का विकास	ऐसी पुस्तकों, पेफलेट्स, समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, अचल फोंटोग्राफों, सचल चित्रों, साउंड रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्रियों के एक पुस्तकालय को तैयार करना जिसमें स्वाधीनता आंदोलन के विशेष संदर्भ सहित आधुनिक भारतीय इतिहास को समाविष्ट किया गया हो।			पुस्तकालय में नई पुस्तकों की खरीद, पेम्फलेट्स पत्रिकाएं, माइक्रोफिल्म(ज), फोटोग्राफ, चलचित्र, ध्वनि रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्री जिसकी आधुनिक भारत के इतिहास पर है कि खरीद भी जारी रखी जाएगी विशेष रूप से स्वाधीनता आंदोलन के संदर्भ में।	नई पुस्तकों, पत्रिकाओं के संयोजन सहित, सामाजिक विज्ञान अध्ययन के क्षेत्र में एन.एम.एम.एल. पुस्तकालय की उत्कृष्ट स्थिति को बरकरार रखा जाएगा नई पुस्तकें, पत्रिकाएं, ई–पुस्तक और ई–जर्नल्स आदि।	यह एक सतत गतिविधि है और साथ में एन.एम. एम.एल. का एक मुख्य उद्देश्य भी है।	
(iii)	संग्रहालय का विकास	जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तिव से संबंधित वस्तुओं, स्मरणीय वस्तुओं, स्मृति चिह्नों तथा उनके जीवन से और भारतीय स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित अन्य वस्तुओं का एक संग्रहालय तैयार करना।			संग्रहालय कृतियों का परिरक्षण, सुरक्षा और सर्वेलैंस प्रणाली की स्थापना। संग्रहालय भवन स्तरोन्नयन और नवीकरण, छत की मरम्मत। लीकेज को बंद करना। स्थायी प्रदर्शनियों का रख – रखाव। जवाहर, इंदिरा और राजीव ज्योतियों का अनुरक्षण। संग्रहालय के ब्रोश्यर्स को हिंदी और अंग्रेजी में मुद्रित करवाना। धातु के साइन बोर्डों	नई पहलों से और अधिक आगन्तुक संग्रहालय की ओर आकर्षित होंगे।	यह एक नियमित आयोजन होगा।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					की स्थापना। संग्रहालय के व्यावसायिकों के लिए सेमिनार – सह – कार्यशालाओं का आयोजन। संग्रहालय स्टाफ का प्रशिक्षण। अस्थायी मल्टीमीडिया प्रदर्शनियों का आयोजन, रंगीन प्रिंटरों का प्रापण, नए शो–केसों का प्रापण और रैग्स का नवीनीकरण।			
(iv)	नेहरू तारामंडल का अनुरक्षण, पाण्डुलिपि प्रभाग, रिप्रोग्राफी सेवाओं, बच्चों एवं युवाओं के लिए नेहरू लर्निंग केंद्र (चिल्ड्रेन रिसोर्स सेंटर)	एन.एम.एम. एण्ड एल. का नेहरू तारामंडल राजधानी में स्थित एकमात्र तारामंडल है तथा इसके कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करते हैं।			उन्नत टैलिस्कोप लाने के लिए अकादमिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में नेहरू तारामंडल की ख्याती को बढ़ाने और उसके रखाव के लिए एन.एम.एम.एल. सतत रूप से प्रयास कर रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष की दृष्टि से विज्ञान के छात्रों शौकिया खगोलशास्त्रियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। छात्रों के लिए आप्टिक्स प्रयोगशाला सुविधा प्रदान की जाती है। – दो माइक्रोफिल्मों और माइक्रोरीडर्स का प्रापण,	तारामंडल का आकाशीय प्रदर्शन बच्चों के लिए शिक्षात्मक होता है। रैप्रोग्राफी के लिए अतिरिक्त और नए उपस्करों की खरीद से माइक्रोफिल्म संबंधी प्रस्तुति के प्रभाव को बढ़ाएगी और उससे बैकलॉग में कमी आएगी। – छोटे बच्चों के लिए (1) ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं	यह चालू प्रक्रिया है।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					डिजिटल स्कैनर और प्रिंटर्स की खरीद। – पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम से जुड़ी बच्चों की सभी गतिविधियां और कार्यक्रमों का संचालन पुरातनता और मूल्यों के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किया जाएगा। बच्चों को जवाहर लाल नेहरू के विचारों और विजन से अवगत कराने और लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक गतिविधियां और कार्यक्रमों का आयोजन बच्चों के लिए किया जाएगा जैसे – प्रकृति/ऐतिहासिक सैर, पारस्परिक चर्चात्मक कार्यशालाएं फिल्म और प्लेस आदि।	(2) बाल पखवाड़ा (3) आगंतुक समूहों के लिए महत्व को और बढ़ाना (4) धनक दिन बाल मेला (5) राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन आदि।		
(v)	बागों और सम्पत्ति का विकास। बहुसंचार पुस्तकालय का विकास।	विद्वानों को हॉस्टल आवास उपलब्ध करवाना। विविध और सम्पन्न प्राकृतिक विरासत का परिरक्षण करना। पूर्वोत्तर से महत्वपूर्ण व्यक्तियों का साक्षात्कार लेना, पूर्वोत्तर में सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन करना तथा पूर्वोत्तर में अभिलेखीय सामग्री एकत्रित			प्रकृति की ओर से मिले सुन्दर बागानों और जंगल को और अधिक बढ़ाया जाएगा जिसके लिए औपचारिक अर्ध–औपचारिक बगीचे /पार्क आदि और उपलब्ध कराएं जाएंगे तथा अर्ध प्राकृतिक वन्यजीव की पट्टियां जोड़ी जाएंगी, जिसमें मयूर भी रखे जाएंगे।	सम्पन्न प्राकृतिक विरासत को जानने की जिज्ञासा को और बढ़ाया जाएगा, उसे जैव विविधता का मॉडल बनाया जाएगा, पारिस्थिति तंत्र की दृष्टि से बागों को और सुदृढ़ किया जाएगा।	सतत प्रक्रिया है। गतिविधि जारी है।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पूर्वोत्तर क्षेत्रों में गतिविधियां।	करना।			– पूर्वोत्तर क्षेत्र के ज्ञान में इजाफा करने के प्रयास किए जाएंगे।	– अभिलेखीय गतिविधियों के आयोजन की दृष्टि से पूर्वोत्तर से जुड़े मामलों पर व्याख्यान और सम्मेलनों का आयोजन करवाया जाएगा।		
29.	**भारतीय संग्रहालय, कोलकाता**	यह संस्थान सांस्कृतिक लोकाचार और परंपरा की शताब्दीयों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय और विदेशी कला के अद्वितीय खजानों को रखने वाली वीथियों के पुनर्गठन और पुनरूद्धार में कार्यरत है।	8.66	30.00				सामान्यतया गैर योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	कला, पुरात्तव और मानव विज्ञान अनुभागों की वीथियों का आधुनिकीकरण, विकास, पुनरूद्धार और रखरखाव।	इसके उद्देश्यों में अद्यतन व्यवस्थाओं और तकनीकों सहित विभिन्न वीथियों और आरक्षित संग्रहों की पुनर्सज्जा, आधुनिकीकरण और पुनरूद्धार शामिल हैं।			संग्रहालय की मरम्मत, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण। – आकस्मिक खर्च को पूरा करने के लिए संग्रहालय की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए दीर्घाओं की आन्तरिक मरम्मत की जाएगी, उपस्कर ठीक किए जाएंगे, जिनमें ए.एम.सी. भी शामिल है।	विभिन्न वीथियों और आरक्षित संग्रहों का आधुनिकीकरण और पुनरूद्धार अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा तथा भारत की संस्कृति, लोकाचार और परम्परा का संवर्धन करेगा।	पूरे वर्ष के दौरान	
(ii)	वेतन	परियोजना उद्देश्यों हेतु संविदा आधार			संविदा आधार पर नियुक्त			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		पर नियुक्त अधिकारियों को मेहनताना।			अधिकारियों को मेहनताना।			
(iii)	यात्रा व्यय	परियोजना कार्यों हेतु यात्रा व्यय।			परियोजना कार्यों के लिए यात्रा खर्च। बाहर जा कर प्रशिक्षण लेने के लिए।	परियोजना कार्यों हेतु यदि कोई हो, यात्रा व्यय की पूर्ति करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
(iv)	पूर्वोत्तर राज्यों का विकास	पूर्वोत्तर राज्यों में विकास कार्य।			पूर्वोत्तर राज्यों के संग्रहालयों का विकास कार्य।	पूर्वोत्तर राज्यों के संग्रहालयों के विकास में सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
(v)	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण करना।			सुरक्षा और संरक्षण गतिविधियां / कार्ययोजना के अनुसार प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा। बुद्ध पर प्रदर्शनियां, बुद्ध अवशेष पर दीर्घा स्थल, भारत और कोलकाता में प्रमुख संग्रहालयों के सहयोग से प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा। – भारतीय संग्रहालय बुलेटिन विशेष रूप से काफी संख्या में निकालते हुए पुस्तकों और रिपोर्टों का प्रकाशन (विशेष 200वी. शताब्दी) निकाली	बहुमूल्य और अद्वितीय खज़ानों की चोरी से सुरक्षा।	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					जाएगी। अनुसंधान संग्रह इतिहास, प्राकृतिक इतिहास, भारतीय संग्रहालयों के आगंतुकों पर अध्ययन भी शुरू किया जाएगा और अंतिम रिपोर्टें भी निकाली जाएंगी। कनिष्ठ और वरिष्ठ अध्येताओं जो आवासीय संग्रहालय विज्ञानी है (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय) आदि को 200वीं शताब्दी अध्येतावृत्ति प्रदान की जाएंगी।			
30.	**सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद**	यह राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय है जिसमें सालारजंग प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय द्वारा समग्र विश्व से संग्रहित दुर्लभ और विविधतापूर्ण कलावस्तुओं का संग्रह है।	**10.05**	**13.50**				सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	परियोजना भवन	वीथियों के विस्तार हेतु पश्चिमी खंड में अतिरिक्त तल का निर्माण।			8 नई वीथियों के लिए 5000 वर्ग गज में अतिरिक्त तल का निर्माण करना।	आधुनिक तथा उन्नत तरीके से प्रदर्शित वस्तुओं के लिए अतिरिक्त स्थल उपलब्ध कराना।	एक वर्ष	
(ii)	विकासात्मक कार्य (वर्तमान भवन)	वीथियों के पुनर्गठन, भंडारों के आधुनिकीकरण, पांडुलिपियों के संरक्षण,			विभिन्न विकास कार्यों और सामान गृह के निर्माण के लिए	संग्रहालय में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना।	एक वर्ष	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		पुस्तकालय आदि सहित मौजूदा भवन के विभिन्न विकासात्मक कार्य शुरू करना।			1 वर्ष के लिए राशि की जरूरत।			
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	सी सी टी वी कैमरों अग्नि सूचक प्रणाली तथा अग्निशमन नल प्रणाली की व्यवस्था करके संग्रहालय में सुरक्षा का उन्नयन किया जा रहा है।			सुरक्षा के क्रमोन्नयन के लिए राशि की जरूरत, संग्रहालय में 12 महीनों के लिए लगाई गई सी.आई.एस.एफ. सुरक्षा।	संग्रहालय की सुरक्षा के भाग के रूप में।	एक वर्ष	
(iv)	पुस्तकालय के लिए पुस्तकों, कला वस्तुओं एम.एस.एस. आदि अन्य सांस्कृतिक और शैक्षणीक कार्यक्रम। फोटोग्राफी पुस्तकालय और एम.एस.एस.	संग्रहालय पुस्तकालय में उपलब्ध कला वस्तुओं/ पांडुलिपियों का संरक्षण विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम चलाना, फोटोग्राफी उपस्कर का उन्नयन पुस्तकालय की पुस्तकों और पाण्डुलिपियों की प्राप्ती और उनका परिरक्षण और संरक्षण।			पुस्तकालय की पुस्तकों और पाण्डुलिपियों का प्रापण, परिरक्षण और संरक्षण। अन्य शैक्षिक गतिविधियां जैसे ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह और विशेष प्रदर्शनियां, सेमिनार, विशेष व्याख्यान आदि। फोटोग्राफी उपस्कर के क्रमोन्नयन के लिए राशि की जरूरत।		एक वर्ष	
31.	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	शैक्षिक और आउटरीच कार्यकलापों तथा ऑपरेशन सैल्वेज के माध्यम से भारत के समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक स्वरूपों के प्रलेखन, प्रदर्शन और प्रचार–प्रसार के उद्देश्यों को	**4.45**	**12.50**	गैर – योजनागत निधियों से, इन्डोर प्रदर्शनियों, 7 आउटडोर प्रदर्शनियों परिसरों, सड़क नेटवर्क, सड़क नेटवर्क, भवन तथा पुस्तकालय, फोटोग्राफी,	योजना बजट में टी. एस.पी. के अन्तर्गत लगभग 55 प्रतिशत का प्रावधान शामिल है।		सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		प्राप्त करने के लिए बुनियादी सुविधाओं का विकास करना।			संरक्षण आदि जैसी पुरातात्विक यूनिटों के रख रखाव के कार्य को प्रत्येक वर्ष हाथ में लिया जाता है।			लिए किया जाता है।
(i)	अवसंरचना विकास				**<u>योजना कार्यकलाप</u>** **क) अवसंरचना विकास** 1. लोक एवं जनजातीय कलाकारों के लिए डॉरमिटरी का निर्माण। 2. इन्डोर म्यूजियम बिल्डिंग, बिलों का निपटान। 3. सीमा दीवार के निर्माण को पूरा करना। 4. आगन्तुक अनुकूल सुविधाओं का विकास। 5. परंपरागत प्रवेश द्वार नं. 2 का निर्माण। 6. प्रस्तुतीकरण स्थलों/ ऑडिटोरियम / अप–ग्रेडेशन, साइट विकास का उन्नयन। **2. ओपन एअर मुक्ताकाशीय प्रदर्शनियों का विकास :** इस साल संग्रहालय प्रदर्शों के रूप मे नए गृह प्रकारों, ब्रहम्पुत्र, नर्मदा, महानदी नदी घाटी से	1. स्थल संग्रहालय का विकास और संग्रहालय को दर्शक के अधिक अनुकूल बनाना। इससे और अधिक आगंतुकों का आगमन होगा। चार दीवारी का उद्देश्य संग्रहालय परिसर की सुरक्षा करना है। 2. ओपन एयर प्रदर्शनी में अतिरिक्त नए प्रदर्शों और वर्तमान प्रदर्शन स्थापना के उन्नयन से संग्रहालय के लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को प्राप्त करने तथा परिणाम स्वरूप अधिक संख्या में दर्शकों को	चरणबद्ध तरीके से लक्षित कार्य को पूरा किया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से लक्षित कार्य को पूरा किया जाएगा। गतिविधियों का आयोजन वर्ष की सभी तिमाहियों में किया जाएगा।	निधि की उपलब्धता। पूर्वोत्तर राज्यों की जलवायु की दशा सामयिक कार्यान्वयन को प्रभावित कर सकती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रदर्शनियों का विकास, रॉक आर्ट विरासत पर एक पूर्व ऐतिहासिक पार्क का विकास करेगी, महानदी रिवर घाटी से प्रदर्षों का विकास, विभिन्न संस्कृतियों में स्वस्थ तथा अच्छे जीवन की परम्परागत अवधारणा के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण हेतु मुक्ताकाशीय प्रदर्शनियों का विकास, प्रस्तुति हेतु ओपन एअर प्रदर्शन स्थल का सृजन, इन्डोर प्रस्तुति/निपटारा स्थल, प्रेक्षाग्रह का उन्नयन, सभी मुक्ताकाश मौजूदा प्रदर्शनियों आदि में दर्शक सुविधाओं का उन्नयन, आडियो पर्यटन और आडियो पोस्ट सुविधा का विकास, ब्रेल में पाठ और स्तर उपलब्ध कराना, प्रदर्शनी स्थलों पर एस्कैलेट सुविधा उपलब्ध कराना, ओपन एअर प्रदर्शनियों में विभिन्न स्थानों पर सूचना क्योस्क ;पी सी आधारित) और दर्शकों के लिए संचार सुविधा। और ध्वनि और प्रकाश शो का विकास।	आकर्षित करने में मदद मिलेगी। नई प्रदर्शनी वीथियों का विकास और अतिरिक्त अवसंरचना सुविधाओं में संग्रहालय आगन्तुको की संख्या में वृद्धि होगी और विश्व स्तरीय संग्रहालय का सृजन करने में कदम होगा। सहायक यूनिटों को सुदृढ करने से संग्रहालय के कार्यकलापों में वृद्धि होगी और विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों को समय पर कार्यान्वित किया जाएगा।	गतिविधियां पूरे वर्ष के दौरान की जाएंगी। गतिविधियां पूरे वर्ष के दौरान की जाएंगी। गतिविधियों का प्रसार पूरे वर्ष किया जाएगा। गतिविधियों का	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					3. आंतरिक संग्रहालय में प्रदर्शनी वीथियों का विकास : इस वर्ष अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ मौजूदा प्रदर्शनियों वीथियों को उन्नयन करने का प्रस्ताव है और आंतरिक आडिटोरियम और अन्य वीथियों में सीसीटीवी की स्थापना द्वारा आगन्तुकों की सुविधाओं,सुरक्षा तथा सुरक्षा सामग्रियों को बढाया जाएगा और बर्गलर अलार्म सिस्टम और अग्निशमन उपकरण लगाकर प्रदर्शित सामग्री सुरक्षा में वृद्धि की जाएगी। शारीरिक रूप से विक्लांग व्यक्तियों के सुचारू रूप से चलने के लिए प्रावधानों का उन्नयन किया जाएगा और नई प्रदर्शनियों का विकास किया जाएगा, विभिन्न विषयों पर प्रदर्शों को रखने के लिए सैटेलाइट प्रदर्शन स्थान का निर्माण करना। 4. **संगठनात्मक ढांचा** : संगठनात्मक ढांचा विकास	इससे आई.जी.आर.एम. एस. को अपने मिशन के अनुसार काफी अधिक संख्या में लोगों के साथ प्रभावशाली रूप में सहायता मिलेगी।	प्रसार पूरे वर्ष किया जाएगा।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					कार्यों में गतिशील और उत्तरोत्तर प्रगति स्टाफ की सतत् कमी के कारण प्रभावित हुई है, परंतु आई.जी.आर.एम.एस. ने कार्यक्रमों को सतत रूप से मौजूदा स्टाफ की सहायता से ही जारी रखा है तथा ठेका आधार पर भी कुछ कार्मिक लगाए गए है। संग्रहालय अन्य सरकार / गैर सरकारी संगठनों/ समुदायों के साथ मिलकर कुछ गतिविधियां कर रही है। इस वर्ष मौजूदा एककों में पर्याप्त जनसाधनों की व्यवस्था की जाएगी।			
					ख) संग्रहालय शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमः ख. क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में विकास सुविधाएं : 1. भारतीय समुदायों की जीवन प्रणाली पर ओपन एअर प्रदर्शनी का विकास। यह मैसूर में सेमिनार/ सिंपोजिया, शिक्षा कार्यक्रम तथा फील्ड कार्य का भी आयोजन करेगा। नया क्षेत्रीय	क्षेत्रीय केंद्रों के सुदृढ़ीकरण से दक्षिण भारत के सभी केंद्रों पर गतिविधियों के आयोजन में सहायता मिलेगी। स्थानीय समुदायों और संगठनों के सहयोग से सांस्कृतिक विवक्षा केंद्र	गतिविधियां पूरे वर्ष के दौरान जारी रखी जाएंगी।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					केंद्र भी स्थापित करने का प्रस्ताव है। 2. विशिष्ट और विषयक संस्कृति बिवक्षा केन्द्रों का सृजन और प्रबंधन : ये केन्द्र समुदायों के लिए स्रोत केन्द्र और क्षेत्र की उनकी ज्ञान प्रणाली के रूप में कार्य करेंगे। 3. अस्थायी और चल प्रदर्शनियॉ : लोक और आदिवासी केन्द्रों सहित विभिन्न विषयों पर कुछ और प्रदर्शनियॉ आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। 4. संग्रहालय और विरासत प्रबंधन पर अंतर – विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। नए संग्रहालय–शास्त्र (संग्रहालय कामगारों के लिए) पर एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न विश्वविद्यालयों में मानवविज्ञान विभाग के अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए संग्रहालयों और मानवविज्ञान पर राष्ट्रीय	खोले जाएंगे। नई प्रदर्शनियों के विकास से संग्रहालय के स्रोत आधार में वृद्धि होगी और चल प्रदर्शनियां भारत के सांस्कृतिक पैटर्न का प्रसार करने और संग्रहालय का प्रचार बिना किसी नेटवर्किंग को अन्य संस्था से जोड़ा जाएगा। वर्ष के दौरान आगन्तुकों को आकर्षित करने के लिए अनेक कार्यक्रम और गतिविधियों चरण आधार पर आयोजित की जाएगी इससे संग्रहालय स्टाफ की दक्षता का विकास करने में मदद मिलेगी और नया संग्रहालय आंदोलन भी शुरू		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					कार्यशाला/ संगत विषयों पर सेमिनार/ संगोष्ठी, संग्रहालय बातचीत / प्रसिद्ध व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष कुछ अन्य संस्थानों के सहयोग से लगभग 10 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है। **5**. समुदाय की ज्ञान प्रणाली का प्रदर्शन : कलाकार कैम्प, आदिवासी रोगहर कैम्प, मंचकला प्रस्तुतियां, रंगमंचीय प्रस्तुति, पूनम, बालरंग राष्ट्रीय उत्सव विद्यालय, करो और सीखो आदि ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम। 6. शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम/ वीडियो/ वृत्त चित्र फिल्मों के लिए सहायक इकाइयों का विकास : विभिन्न प्रचालन यूनिटों को जनशक्ति, आधुनिक उपकरण और उनकी कार्य क्षमता के उन्नयन के लिए गैजट प्रदान कर सुदृढ़ किया जाएगा। संग्रहालयों के लक्ष्य और उद्देश्यों से संबंधित	किया जाएगा। तथा विकास नेटवर्क में भी दक्षता लाई जाएगी और इस प्रकार के संस्थानों से जोड़ा जाएगा ताकि संग्रहालय के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। इन गतिविधियों भारतीय संस्कृति की कला और शिल्प परंपरा के प्रदर्शन में सहायता मिलेगी तथा इससे समुदायिक ज्ञान प्रणाली के प्रदर्शन में सहायता मिलेगी तथा जनता में इसकी उपयोगिता बढ़ेगी। जनशक्ति को सुदृढ़ करने से समस्त भारत में संग्रहालय की विभिन्न गतिविधियों को चलाने में मदद		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					विभिन्न पहलुओं पर नियमित प्रकाशन प्रकाशित किए जाएंगे ।	मिलेगी।		
					ग. ऑपरेशन सैल्विज. 1– सहयोग मानवषास्त्रीय अनुसंधान परियोजना। 2– नृजाति शास्त्र और मंचकला से मौखिक परम्पराओं के विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन 3– दुलर्भ वस्तुओं की पहचान और भ्रंषोद्धार 4– संस्कृति संबंधी वस्तुओं की सामग्री का संग्रहण 5– नमूनों का संरक्षण 6– शैलकला अनुसंधान 7– सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृति 8– विद्यार्थी प्रशिक्षुता कार्यक्रम	स्थानीय संसाधन प्रबंधन परम्पराओं के सैल्विज और परिरक्षण के अनेक फील्ड कार्य और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम न केवल विभिन्न परम्परागत कला रूपों से सहयोग ज्ञान का प्रसार करेंगे बल्कि जनता में ऐसी परम्पराओं की जानकारी देंगे और संबंधित शिल्प व्यक्तियों के नैतिकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे।	पूरे वर्ष के दौरान।	
32.	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता**	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास का चित्रण करने वाले काल से संगत सामग्री और ऑकड़ों को इकट्ठा	**5.40**	**30.00**	सामान्यतया प्रशासनिक तथा स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		करने में शामिल समकालीन कला संग्रहालय।			किया जाता है।			
(i)	सी.पी.डब्ल्यू.डी./ ए.एस.आई. द्वारा विशेष मरम्मत और नवीकरण कार्य किया जाता है। उद्यान विकास प्रेक्षाग्रह सह प्रशासनिक खण्ड हेतु एजेन्सी भवन का निर्माण	स्मारक भवन, छत की मरम्मत कार्यकरण, आन्तरिक और मध्य भागों की रासायनिक सफाई। बगीचे का समुचित रख–रखाव, प्रांगनों का सौन्दर्यकरण। अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदर्शनियों हेतु स्थल प्रदान करना और सेमिनारों, सार्वजनिक सुविधाओं की व्यवस्था करना।			वी.एम. भवन का वार्षिक अनुरक्षण और उसकी स्थिति ठीक रखी जाएगी। सी.पी.डब्ल्यू. डी. द्वारा टैंकों के तटबंध की मरम्मत और पेंटिंग की जाएगी। ट्रैक्टर गैरेज की मरम्मत की जाएगी। स्टाफ क्वार्टर और प्रवेश द्वार – क्वार्टर क्षेत्र की मरम्मत की जाएगी। –वी.एम.एच. कटघरे की चारदीवारी का रंग रोगण ए.एस. आई. कोलकाता मंडल द्वारा किया जाएगा। चरण 4 के तहत आर.एन. मुखर्जी लॉन का विकास सी.पी.डब्ल्यू.डी. (बागवानी) द्वारा किया जाएगा। निम्नलिखित क्षेत्रों का विकास सी.पी.डब्ल्यू.डी. (बागवानी) द्वारा किया जाएगा : (i) प्लॉट 3 से 7 फेज 1 के तहत (ii) प्लॉट 1 से 6 फेज 2 के तहत (iii) प्लॉट 1 से 5 फेज 3 के	अच्छे परिवेश सहित साफ और सुरक्षित वीथियां, उद्यान जल निकायों और रास्ते जिससे अधिक आगंतुको को आकर्शित करेंगे। – बगीचे का भू दृश्यन एवं सौंदर्यकरण। – आगंतुकों के लिए अतिरिक्त सुविधाओं अर्थात अस्थायी रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियां, सेमिनार, सम्मेलन, बैठक कक्ष, पुस्तकालय, कैफेटेरिया, सोविनियर शॉप, प्रदर्शनियों के लिए प्रदर्शनी हॉल	2014 –15 के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					तहत बगीचे की सामग्री, साइनेज, कूड़ादान और बीज पौधों की खाद आदि की खरीद की जाएगी।	सहित विश्व स्तरीय केंद्र की स्थापना।		
(ii)	अस्थायी तौर पर घरेलू प्रदर्शनी, विदेशी प्रदर्शनी	समग्र जनता को संग्रह की समृद्धि के बारे में जानकारी देना और हमारे प्राचीन इतिहास, संस्कृति और सुरूचि संपन्नता के बारे में उन्हें बताना और भारत में किसी भी एक महानगरीय शहर में कम–से–कम एक भ्रमणशील प्रदर्शनी भेजना।			19वीं शताब्दी में दक्षिण अफ्रीका के वन्य जीव और कैप्टन विलियम सी. हैरिज की एलबम से चित्रकला की प्रदर्शनी। इलाहाबाद संग्रहालय से असित हल्दर की कलात्मक कार्यों पर प्रदर्शनी। वी.एम.एच. के अपने संग्रह की कलाकृतियें पर आधारित प्रदर्शनी। वी.एम.एच. के गतिविधि क्लब के सदस्यों द्वारा सृजित कलात्मक कार्यों पर प्रदर्शनी। अबनीन्द्रनाथ टैगोर के कलात्मक कार्यों पर प्रदर्शनी। डब्ल्यू.डब्ल्यू. –1 में भारतीयों के योगदान जिसमें रॉयल पवेलियन, ससेक्स ने भी सहयोग किया पर प्रदर्शनी। जान फ्लैमिंग की एलबम से प्राकृतिक इतिहास पर प्रदर्शनी। डॉन ब्रैडमैन पर प्रदर्शनी, यात्रा	दर्शकों को भारत और विदेश की मूर्त विरासत से अभिमुख करना। प्रदर्शों की विभिन्नता से और अधिक आगंतुक आकर्षित होंगे।	2014–15 के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रदर्शनी – "1857 प्रथम स्वाधीनता आंदोलन" – लाल किला, दिल्ली और पटना संग्रहालय। नेताजी के योगदान पर प्रदर्शनी, नेताजी भवन के साथ मेला उत्सव में सहभागिता। वी.एम.एच. के अपने संग्रह से कलाकृतियों पर आधारित प्रदर्शनी।			
(iii)	प्रकाशन प्रलेखन, कैटलाग बनाना, एक्सेशन, कला वस्तुओं की माल पड़ताल, फोटो प्रलेखन आदि।	उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन तथा यूरोपीय कलाकारों की कृतियों के हमारे अद्वितीय संग्रह के संबंध में कुछ अधिप्रमाणित कैटेलॉग निकालना।			गगनेंद्रनाथ टैगोर और अबनीद्रनाथ टैगोर पर कैटालॉग। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रैस के साथ प्रकाशन की अंतिम रूप देना, जो कनिंधम लैटर्स पर बने खण्ड के संबंध में थे जिसका संपादन प्रो. उपेन्द्र सिंह द्वारा किया गया था। डा. पी. नायर द्वारा "डल्हाउस स्कवेयर" का प्रकाशन 10 तस्वीरों के पोस्टकॉर्ड का सैट जो वी.एम. एच. भवन की तस्वीरों पर आधारित था। जी.एन.टैगोर चित्रकला, ए.एन. टैगोर चित्रकला और एल.एम. लेन	विक्टोरिया मेमोलियल हॉल की विभिन्न वस्तुओं से दर्शकों को परिचित कराना। प्रकाशनों की बिक्री से अधिक राजस्व प्राप्त होगा। – भावी पीढ़ियों के लिए तस्वीरों/ कलाकृतियों आदि का परिरक्षण।	2014–15 के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					चित्रकला एलबम का प्रकाशन गंगा – द्वितीय संपादन एल.एम. सेन पुरस्कार और जी.एन. टैगोर कलात्मक कार्य और ए.एन. टैगोर कलात्मक कार्य। बी.आर.एस. कृतियों के स्टॉक का सत्यापन, डिजिटाइजेशन और कैटालॉग बनाना। जतन सॉफ्टवेयर में वी.एम.एच. के संग्रह की कलाकृतियों पर आंकड़ों की प्रविष्टि। प्रदर्शनी के लिए विभिन्न दीर्घाओं/ भण्डारण से कलाकृतियों के लेन – देन की रिकॉर्डिंग, संरक्षण और पुनः स्थापन कार्य आदि। वैबसाइट को द्विभाषी (हिन्दी और अंग्रेजी) में अद्यतन करना। भारत और बाहर के विद्वानों द्वारा की गई पूछताछ के जवाब देना। एस.सी.टी.आर. जादवपुर विश्वविद्यालय के पेपर दस्तावेजों के कार्यों का डिजिटाइजेशन।			
(iv)	सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना	कलावस्तुओं और स्मारक की कलाकृतिध्वंसन और चोरी से रक्षा करना और सांस्कृतिक संपदा की			कोलकाता पुलिस को लगाना, निजी सुरक्षा एजेंसी व्यवस्था, सी.आई.एस.एफ. को शामिल	संग्रहालय और परिसर की सुरक्षा और बचाव को बढ़ाना।	2014–15 के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		सुरक्षा करना।			करना, बैट्री द्वारा चालित गाड़ी की खरीद, सुरक्षा सर्वेलेंस उपस्करों की खरीद/ किराये पर लेना।			
(v)	वीथियों की स्थापना/ आधुनिकीकरण तथा कलावस्तुओं का भंडारण और संस्थापना, प्रकाशन–व्यवस्था, मौसम नियंत्रण, दर्शक सुविधाएं इत्यादि।	समुचित प्रदर्शन, प्रकाश व्यवस्था तथा मौसम नियंत्रण के साथ मेमोरियल की सभी वीथियों का पुनर्गठन तथा पुनर्संरचना।			दीर्घाओं और भण्डार गृहों का एन.बी.सी.बी. द्वारा आधुनिकीकरण।	चार भण्डार गृहों का आधुनिक भण्डारण पद्धति के साथ आधुनिकीकरण तथा 2 दीर्घाओं का		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					– प्रकाशन	– 5 अनुसंधान पेपर्स का प्रकाशन किया जाएगा।		
(iv)	संरक्षण में प्रशिक्षण	संरक्षकों और जीर्णोद्धारकों का विकास			– सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण पर 2014 –15 में 6 माह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। – संग्रहालय कलाकृतियों की देखभाल और अनुरक्षण पर 10 दिवसीय अभिमुखी कार्यशाला। – रसायनज्ञों, संरक्षकों, अभिलेखागार, पुस्तकालय और पुरातत्व विभागों से जुड़े है पुनर्स्थापकों को पुस्तकालय सामग्री के संरक्षण हेतु 5 दिवसीय कार्यशाला। –विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 2 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।	– अभ्यर्थियों के लिए 30 सीटें उपलब्ध है। – अभ्यर्थियों के लिए 20 सीटें उपलब्ध है। – अभ्यर्थियों के लिए 15 सीटें उपलब्ध है। – संस्थानों की जरूरत के अनुसार।	लघु एवं दीर्घ अवधि के पाठ्यक्रमों का आयोजन।	
(ख)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यकलापों में कला वस्तुओं का अधिग्रहण, वीथियों और आरक्षित संग्रहों का पुनर्गठन जिससे पुस्तकालय और फोटोग्राफी इकाई और प्रकाशन समृद्ध होते हैं।	**4.05**	**3.75**	गैर योजनागत अनुदान से चिकित्सा, प्रतिपूर्ति, फर्नीचर और फिक्सचर, टेलीफोन और विद्युत प्रभार, कानूनी प्रभार आदि की भी पूर्ति की जाती है।			सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(i)	भवन का नवीकरण	कर्मचारी एवं दर्शकों के लिए अपेक्षित स्थानों एवं सुविधाओं में वृद्धि होगी।			संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य के निष्पादन तथा इसके संगत भाग की प्रगति को भी ध्यान में रखा जाएगा।	संग्रहालय भवन का संगत भाग नया दिखाई देगा और स्टाफ तथा आगंतुकों के लिए अपेक्षित स्थान में भी वृद्धि होगी।	कार्य को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा एक समयबद्ध सीमा के भीतर निष्पादित किया जाएगा।	प्रगति, निधियों की समय पर उपलब्धता पर आधारित होगी।
(ii)	पुस्तकालय फोटोग्राफी प्रलेखन तथा उसका सुदृढ़ीकरण	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ बनाना तथा संग्रहालय द्वारा स्वामित्व में रखी गई पत्रिकाओं तथा सेटों के खंड भी प्राप्त करना, कतिपय पुस्तकों तथा पत्रिकाओं, की संग्रहालय कार्मिकों का एक दल भेजकर माइक्रोफिल्म बनाना, जो उपलब्ध नहीं है तथा संग्रहालय के पुस्तकालयों को समृद्ध बनाने के लिए पुस्तक और पत्रिकाएँ प्राप्त करना।			पुस्तकालय में पहले से नई पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं,इस बात को सुनिश्चित करने के बाद ही अतिरिक्त पुस्तकों की खरीद की जाएगी। फोटो प्रलेखीकरण एक निश्चित समय भीतर पूरा कर लिया जाएगा और जब कभी प्रयोजन हो, गतिविधियों को कवर किया जाएगा।	संग्रहालय अधिकारियों और कर्मचारियों, आगंतुक विद्वानों, कला इतिहासविद् और कला समालोचकों की बढ़ती हुई मॉग पर पुस्तकालयों ने पुस्तक और पत्रिकाएं प्राप्त करता है। पुस्तकालय कार्यकलापों के विकास से अपेक्षाकृत अधिक अध्येत्ता, इतिहासविद् और कला आलोचक आकर्षित होंगे। फोटो प्रलेखन से संग्रहालय वस्तुओं के उचित अनुरक्षण और सभी कार्यकलाप कवर करने में मदद	प्रसिद्ध प्रकाशकों/ पुस्तक–विक्रेताओं से पुस्तकों का अधिग्रहण करके।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						मिलेगी।		
(iii)	वीथियों का आधुनिकीकरण	उद्देश्यों में शामिल हैं : लकड़ी के पैनल लगाना, नए शो–केस, लकड़ी के ब्लॉक तैयार करना, संग्रहालय की विभिन्न मौजूदा वीथियों में आधुनिकीकरण/पुनर्गठन।			वीथियों में केस का सुधार कार्य, गैलरियों में पालिसिंग और पेन्टिंग कार्य, टिप्पणियों को विस्तृत रूप में प्रस्तुत करना, कुछ दीर्घाओं में पैनलिंग आदि के कार्य को संग्रहालय के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में हाथ में लिया जाएगा।	आधुनिकीकरण कार्य से दर्शकों को हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की बेहतर जानकारी मिलेगी।	वर्ष भर के दौरान	प्रस्तावित कार्य का निष्पादन निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।
(iv)	कलावस्तुओं का अधिग्रहण	उपयुक्त अंतरालों पर कला खरीद समिति की बैठक के आयोजन के माध्यम से संग्रहालय के लिए कलावस्तुओं का अधिग्रहण।			प्राचीन कालीन वस्तुओं को क्रय समिति की सिफारिशों पर प्राप्त किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञ शामिल होंगे।	संग्रहालय के संग्रह में वृद्धि करना और अधिक दर्शकों को आकर्षित करना	विशेषज्ञों की कलाकृति खरीद समिति की सिफारिशों पर प्राचीन वस्तुओं का अधिग्रहण किया जाएगा।	यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई नकली पुरावस्तु अधिग्रहीत नहीं की गई है।
(v)	प्रदर्शनी और प्रदर्शन। आरक्षित संग्रह का पुनर्गठन। माडलिग खण्ड। शैक्षिक व अन्य कार्य कलाप	देश के उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करना तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के धर्म और संस्कृति के ज्ञान को बढ़ाना।			इलाहाबाद संग्रहालय में प्रसिद्ध कलाकारों की प्रदर्शनियां विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और भारत में संग्रहालयों में आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, एक प्रदर्शनी चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।	बडिंग कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए और धर्म को संस्कृति के क्षेत्र में उनके ज्ञान को बढ़ावा दने और प्रोत्साहन दिया जा रहा है।	प्रदर्शनी के विषय का निर्णय होने के पष्चात, संगत सामग्री को एकत्र किया जाता है और प्रदर्शनी लगाई जाती है।	प्रदर्शनी के मानकों में सुधार लाने के लिए आधुनिक प्रदर्शन स्टैण्ड अधिग्रहीत किए गए हैं।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	अनुसंधान अध्येतावृत्ति अन्वेषण तथा रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला				– प्रदर्शनी हॉल, स्वतंत्रता सेनानी गैलरी की मरम्मत। रिजर्व संग्रहण में ऑर्गनिक सामग्रियों/ सिक्कों/बहुमूल्य वस्तुओं को नए सिरे से व्यवस्थित करना। – प्रतिकृतियों आदि को मॉडलर / मॉडलिंग सहायक द्वारा किया जाएगा और यदि आवश्यक हो, तो बाहरी प्रतिष्ठित कलाकारों के जरिए यह कार्य किया जाएगा। – संग्रहालय की भारतीय कला, संस्कृति और पर्यटन में पैठ है। विरासत प्रबन्ध संस्थान की स्थापना। इसे भारतीय कला, संस्कृति और संग्रहालय में शामिल किया जाएगा। – स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का क्रमोन्नयन और नया ब्रोशर तैयार करना। – प्रतिष्ठित स्कॉलर और फैलोशिप पुरस्कार विजेता संग्रहालय के लिए अनुसंधान कार्य करेंगे। – दीर्घाओं में जैविक मूल की	लोगों को संग्रहालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी का सृजन किया जा रहा है। संग्रहालय विज्ञान और संग्रहालय के बारे में जानकारी दी जा रही है।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					कलाकृतियों की सामान्य धूमीकरण का कार्य आरक्षित/ संग्रह के साथ – साथ दीमकरोधी उपचार और कला वस्तुओं, कागजों, सिक्कों, पाण्डुलिपियों, फोटोग्राफ, पेन्टिंग और लकड़ी की वस्तुओं के संरक्षण का कार्य शुरू कर उसे पूरा किया जाएगा।			
(ग)	**राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान : कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, संरक्षण के विशिष्ट क्षेत्रों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करना और कलावस्तुओं का पुनरूद्धार तथा संग्रहालय में उनका प्रदर्शन एवं रख–रखाव।	**0.33**	**20.00**				सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
	तीन संकायों नामतः कला इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान में एम.ए., पी.एच.डी. की डिग्री के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण।	इसका लक्ष्य है कि कला, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान के इतिहास के संबंध में सांस्कृतिक संस्थानों / विश्वविद्यालयों में क्षमता निर्माण के लिए उच्च शिक्षा प्रदान की जाए। कला, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान के इतिहास के क्षेत्र में उन्नत जानकारी देते हुए उसे आगे ले जाना।			तीनों एम.ए. पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश की प्रक्रिया जुलाई 2014 और लघु अवधि पाठ्यक्रमों के लिए अगस्त 2014 से शुरू होगी। फिर भी पी.एच.डी. पाठ्यक्रम का प्रवेश अनुसंधान विकास समिति की सिफारिशों पर निर्भर करेगा। यह कम से कम 225 विद्यार्थियों को प्रवेश	प्रत्येक विभाग /पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों/ परिणाम पर निर्भर करेगा।	वार्षिक आधार पर।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	– भारतीय कला और संस्कृति, कला, समालोचना और केंद्रीय कला निधि पर 4 सप्ताह में 1 बार के आधार पर 5 सप्ताह के लिए कला के प्रति जागृति लाने के लिए लघु अवधि के पाठ्यक्रम जारी करना। कला, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान जिनके लिए विशेष ध्यान की आवश्यकता है के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन इत्यादि का आयोजन। – इन तीनों संकायों में प्रख्यात विद्वानों				देगा और प्रतिवर्ष प्रत्येक लघु अवधि के पाठ्यक्रम में 75 छात्र होंगे। कला इतिहास और संरक्षण पर 1–2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों ाक आयोजन किया जाएगा तथा 3–5 राष्ट्रीय सेमिनारों / कार्यशालाओं / सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। रंगमाला चित्रकला अंतिम अध्यायीकरण एवं संपादन पर विभिन्न परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। वियतनाम से परियोजना चैन स्कलप्चर्स और इसकी अंतर्भित्ति भारतीय कला संगठनों के साथ रहेगी। एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण एवं विवक्षा की जाएगी। विभागीय जर्नल सेमिनार कार्यवाहियां, थीसिस, डेजर्टेशन आदि का प्रकाशन किया जाएगा। संग्रहालय विज्ञान में द्रव्य, श्रव्य अभिलेखीकरण, प्रश्नावलियां, प्रतिलेखन, प्रकाशन आदि कार्य किए जाएंगे। पूर्वोत्तर पर प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कार्यशाला सह सेमिनार आयोजित किय			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	के व्याख्यान आयोजित करना। – नोएडा परियोजना				जाएंगे। क्षमता निर्माण और संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। आरंभिक परियोजना की लागत इसके निर्माता के लिए खर्च होनी है, जिसका अनुमान सी.पी. डब्लयू.डी. /नोएडा प्राधिकारियों की मांग के अनुरूप रखा गया है।			
(घ)	**वृदावन अनुसंधान केन्द्र वृंदावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण	**0.25**	**0.75**	बृज संस्कृति के इनसाइक्लोपिडिया से संबंधित कार्य हेतु खंड 2 शुरू करना। बृज क्षेत्र के लिए सर्वे प्रलेखन संचालित करना, आंकड़े एकत्रित करना, उनकी जांच करना तथा संग्रहित सूचना की प्रेस प्रति और सर्वे के दौरान एकत्रित निवेष्टियों का विश्लेषण करना तथा उसका मुद्रण करवाना। संग्रहालय की पाण्डुलिपियों और संग्रहालय में प्रदर्शन योग्य कलाकृतियों का संरक्षण। बृज संग्रहालय संस्कृति की नई दीर्घाओं की स्थापना और सभाकक्ष और सेमिनार संगठन	भारत की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन व परिरक्षण		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					को उपस्करों से सुसज्जित करना। बृज संस्कृति की विभिन्न पहलुओं पर सेमिनार, कार्यशाला प्रदर्शिनी और व्याख्यानों को आयोजित करना।			
(ड.)	**संग्रहालय व्यावसायिकों के लिए क्षमता निर्माण तथा प्रशिक्षण योजना**	संग्रहालय कार्मिकों के सम्पूर्ण पूल की दक्षता/ योग्यता स्तर को बढ़ाने का उद्देश्य	––	**1.00**	इस योजनागत स्कीम को 2013 –14 के दौरान अनुमोदित किया गया था। संग्रहालय स्टाफ को सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया जाना है, ताकि संग्रहालय विशेषज्ञों का एक समर्पित काडर बनाया जा सके। संग्रहालय के व्यावसायिकों को इसके लिए लिया जाएगा।	केन्द्र/राज्य संग्रहालयों नियुक्त स्टाफ को अधिक प्रशिक्षण की जरूरत।		
(च)	**राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम**	देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण के लिए प्रभावी और सक्रिय उपायों को सुनिश्चित करने हेतु एक राष्ट्रीय विरासत स्थल स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।	––	**0.01**	राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसे राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग विधेयक के अंतर्गत स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।	देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और प्रस्तुतिकरण के लिए प्रभावी और सक्रिय उपाय सुनिश्चित करना।		
(छ)	**राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता की स्कीम**	इसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।	––	**6.00**	ए.एम.ए.एस.आर. अधिनियम 2010 के अंतर्गत स्थापित राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान की	राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों की ग्रेडिंग और वर्गीकरण	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					जाएगी।	के लिए सीजी को सिफारिष करना।		
(ज)	**प्रस्तावित राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम**	इसका उद्देश्य संग्रहालयों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक विनियामक निकाय के नियंत्रण के अधीन विभिन्न संग्रहालयों को लाकर देश में संग्रहालय आंदोलन को बढ़ावा देना है।	––	**0.01**	एक केन्द्रीय प्राधिकरण अर्थात् राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण का गठन करना। तथा यह नियम ए को सहायता अनुदान के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान करना।	संग्रहालय सुधार आंदोलन को बढ़ावा देना।	वर्ष के दौरान	
(झ)	**केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम**	इसका उद्देश्य देश में सांस्कृतिक जागरूकता आंदोलन को बढावा देना है।		**0.01**	विभिन्न सांस्कृतिक विषयों से संबंधित एक केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है।	इतिहास, पुरात्तव, संरक्षण, साहित्य, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में विद्वानों और उभरते विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाना।	वर्ष के दौरान	
(ञ)	**संग्रहालय शिक्षण हेतु संग्रहालय संग्रहण और शैक्षणिक सुविधाओं का डिजिटीकरण।**	संग्रहालयों में संग्रह प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक बनाना।	––	**1.50**	इस योजनागत स्कीम को 2013– 14 के दौरान अनुमोदित किया गया था। इस स्कीम के तहत विभिन्न संग्रहालयें / एन.जी.ओ. (ज) को जो पंजीकृत है और जिनकी कलाकृतियों के डिजिटाइजेशन की जरूरत पूरे देश के संग्रहालयों में है को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी ताकि उनकी छवि बनाई जा सके वैबसाइट पर कैटालॉग	इससे विद्वानों/ शोधकर्ताओं की पहुंच बढ़ेगी और सभी कलाकृतियों और पूरा अव्यवों के डेटाबेस के संबंध में सूचना देकर आने वाले आगंतुकों की संख्या बढ़ेगी, जो देश के विभिन्न संग्रहालयों में विभिन्न स्तरों पर सुलभ है।	पूरे वर्ष के दोरान।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					डाले जा सकें।			
35.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के भंडार के रूप में सेवा प्रदान करना।	**24.75**	**18.00**				सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	संग्रह निर्माण एवं पुस्तक निर्माण सांख्यिकी	भारत में प्रकाशित पुस्तकों तथा अन्य मुद्रित सामग्रियों को एकत्रित करना। विदेशी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण।			डी.बी. द्वारा 45000 भारतीय प्रकाशनों का लक्ष्य रखा गया है। 4500 विदेशी पुस्तकों की खरीद का लक्ष्य रखा गया है और 720 विदेशी टाइटल्स का लक्ष्य रखा गया है जिनमें ई–जर्नल्स को वर्ष के दौरान ही खरीदने का लक्ष्य रखा गया है।	वर्ष 2014 –15 के दौरान।		भारतीय प्रकाशनों का संग्रह भारतीय प्रकाशकों द्वारा उन्हें समय पर पर्याप्त मात्रा में प्रकाशन इक्कट्ठे पर निर्भर करेगा।
(ii)	पाठकों के लिए सेवा ; रेडियो फ्रिक्वेंसी पहचान यंत्र परियोजना (आरएफआईडी) और पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों का डिजिटीकरण	रेट्रो–संरक्षण, डिजिटीकरण तथा प्रयोगशाला, परिरक्षण कम्प्यूटर यूनिटों का आधुनिकीकरण।			उच्च गति इंटरनेट संपर्कता के प्रापण के लिए आपदा वसूली समाधान, वीडियो विश्लेषक हेतु भी कार्रवाई की जाएगी। दुर्लभ और शीघ्र खराब होने वाली पुस्तकों के परिरक्षण के लिए परियोजना शुरू कर दी गई है। 2.5 मिलियन से भी अधिक पृष्ठों को स्कैन किया गया है और 2.	वित्त वर्ष के दौरारन	अप्रैल 2013 से मार्च 2014 तक	प्रशासनिक अनुमोदन की शर्त के अध्यधीन।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					5 लाख पृष्ठों का डिजिटाइजेशन किया जाना है। आर.एफ.आई.डी. डिवाइस की एप्लीकेशन से लाइब्रेरी में इसे संभव किया जा सकेगा।			
(iii)	प्रशासन का सृदृढ़ीकरण	भाषा भवन की सुरक्षा और संरक्षण सेवाओं की आउटसोर्सिंग			पुस्तकालय के लिए आउटसोर्सिंग गार्ड, सफाई वाला और अन्य को भुगतान।	स्टाफ तथा दर्शकों के लिए कार्य के परिवेष में सुधार करना	वर्ष के दौरान	यह समय पर प्रशासनिक अनुमोदन पर निर्भर करता है।
36.	**दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी**	दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।	**16.00**	**7.00**	सामान्यतया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।			सामान्यतया गैर–योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	संग्रह विकास	आम जनता में पढ़ने की आदत डालने के लिए पुस्तकालय संग्रह बढ़ाने के लिए भाषाओं में पुस्तकें, सी.डी./ डी. वी.डी. की खरीद।			लगभग 5000 शीर्षक ऑडियो तथा वीडियो कैसेटों सन्दर्भ/पुस्तकों आदि के अलावा डी पी एल प्रणाली हेतु अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में (60,000 मल्टीपल प्रतियॉं) खरीदी जानी हैं।	जिन सिद्धांतों पर पुस्तकालय स्थापित किया गया था उनमें से एक यह था कि दिल्ली के लोगों को निःशुल्क पुस्तकालय ओर सूचना सेवा सुलभ कराई जाए।	सतत प्रक्रिया और सभी चार तिमाहियों में खरीद की जाएगी।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						अतः सभी विषयों में अद्यतन पुस्तके खरीद कर संग्रह को अद्यतन बनाए रखने की आवश्यकता है तथा अनावश्यक और खराब हो चुकी काफी पुस्तकों को वापस लेना है। सभी विषयों में अद्यतन पुस्तकें रखनी हैं और सामग्री की खरीद करनी है जैसे – सी.डी./ डी. वी.डी (ज), कार्टोग्राफिक सामग्री और संदर्भ पुस्तकें आदि। मौजूदा एककों के लिए उक्त सामग्री ली जाएगी तथा नए पुस्तकालय खोले जाने है। इन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए डी.पी.एल. का प्रस्ताव है कि इसके संग्रह को सुदृढ़ किया जाए।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						सभी एककों का विकास किया जाएगा।		
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	सावधानी और सुधार करके पठन सामग्रियों का अनुरक्षण।			लगभग 20–25 हजार नई पुस्तकों की व्यावसायिक पुस्तक जिल्दसाज के माध्यम से जिल्द चढ़वानी है। किराए की एजेंसी द्वारा पुस्तकों के दुर्लभ संग्रह को डिजिटीकृत किया जाना है।	परिरक्षण तकनीकों में शामिल है पुस्तकों की बाइंडिंग, देख–भाल और सुधार और अन्य सामग्री की खरीद डी. पी.एल. एक सतत गतिविधि है। पुस्तकालय में दस्तावेजों का प्रलेखन भावी पीढ़ी हेतु अनिवार्य है। एजेंसी को हायर करे पुस्तकों का दुर्लभ संग्रह किया जाना है।	दूसरी तिमाही से यह कार्य किया जाएगा।	
(iii)	पुस्तकालय का आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी विकास पब्लिक इंटरनेट के जरिए सदस्यता	पाठकों को बेहतर सेवाए प्रदान करना। पाठकों को पब्लिक इंटरनेट पहुँच और अन्य आधुनिकीकरण सेवाएं प्रदान करना। इसके साथ ही पुस्तकालयों के पाठकों की संख्या और आगे बढ़ाना।			नेटवर्किंग के लिए सभी कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालयों को जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि पुस्तकों का निकलवाना और जमा करना केंद्रीकृत रूप से हो सके। यह भी प्रस्तावित है कि डी.पी.एल. की मौजूदा वैबसाइट की संरचना और डिजाइन को क्रमोन्नत किया जाए।	नेटवर्किंग के लिए सभी कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालयों को जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि पुस्तकों का निकलवाना और जमा करना केंद्रीकृत रूप से हो सके। यह भी प्रस्तावित है कि डी.पी.		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	अभियान				वर्तमान में डी.पी.एल. की पंजीकृत सदस्यता 80448 है। इसमें 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि की जानी है।	एल. की मौजूदा वैबसाइट की संरचना और डिजाइन को क्रमोन्नत किया जाए। केंद्रीय पुस्तकालय की पुस्तकों का अभिसारण मशीन द्वारा पठनीय स्वरूप में करने का कार्य वर्ष के दौरान पुरा करना है।		
(iv)	सेमिनार / व्याख्यान / प्रशिक्षण	कर्मचारियों में नया व्यावसायिक कौशल तथा क्षमता विकसित करना।			स्टाफ के सदस्यों को विभिन्न कार्यशालाओं/ सेमिनारों/ सम्मेलनों में भेजा जाएगा। वर्ष के दौरान स्टाफ के 25 सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाना है।	तेजी से बदलते परिवेश में नई समझ ओर सक्षमता विकसित करके कर्मचारियों की सहायता करना।		
(v)	पुस्तकालय भवन का क्रमोन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण।	पुस्तकालय भवन का विस्तार।			आर.के. पुरम सैक्टर –8 में इस वर्ष नवीकरण का कार्य किया जाना है। सरोजिनी नगर स्थित पुस्तकालय की धुलाई की जानी है और ग्रिल का प्रावधान किया जाना है। विनोबापुरी में अनुरक्षण भी इसी वर्ष करना है।	केंद्रीय पुस्तकालय, आर.के. पुरम सैक्टर –8 में इस वर्ष नवीकरण का कार्य किया जाना है। सरोजिनी नगर स्थित पुस्तकालय की धुलाई की जानी है और ग्रिल का प्रावधान किया जाना है। विनोबापुरी		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						में अनुरक्षण भी इसी वर्ष करना है।		
(vi)	**नई स्कीमें** सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम अशोक विहार, पटपड़गंज और बवाना में पूंजी परियोजनाएं पुस्तकालय भवन	पाठकों के घर तक पुस्तकालय सेवा पहुँचाना दूरस्थ क्षेत्रों में पुस्तकालय सेवाएं बढ़ाना दिल्ली के अन्य भागों में उपयुक्त तरीके से पुस्तकालय सेवाओं को प्रदान करना।			समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए परामर्शी सेवाएं, शिक्षण सहायता दक्षता को प्रोत्साहन तथा सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन। अशोक विहार, पटपड़गंज और बवाना में पुस्तकालय भवन का निर्माण।	समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए परामर्शी सेवाएं,शिक्षण सहायता दक्षता को प्रोत्साहन तथा सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन। डी.पी.एल. का प्रस्ताव है कि खाली भूखण्ड में पुस्तकालय भवन का निर्माण किया जाए। निर्माण संबंधी ठेका राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एन.बी.सी.सी.) को दिया जाना है। तत्संबंधी बजट अनुमान का अनुमोदन मंत्रालय द्वारा लिया जाना शेष है।	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
37.	**राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान'**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना।	**4.94**	**34.50**	सामान्यतया गैर – योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।			
	मैंचिंग स्कीम : क) पुस्तकों के पर्याप्त स्टॉक के निर्माण हेतु सहायता। ख) सचल पुस्तकालयों तथा ग्रामीण पुस्तक जमा केन्द्रों के गठन के प्रति सहायता। ग) पुस्तकों के भंडारण के प्रति सहायता। घ) संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और पुस्तक प्रदर्शनियों के प्रति सहायता। ङ) स्थान में वृद्धि करने के लिए सार्वजनिक	पुस्तकालयों के बुक स्टॉक की पुनःपूर्ति। दूरस्थ कोनों में पुस्तकालय सुविधा प्रदान करना। भंडारण सामग्रियॉ प्रदान करना। पुस्तकालय व्यवसायिकों को जागरूकता उन्मुखता उपलब्ध कराना। पुस्तकालय भवन का निर्माण।			10000 पुस्तकालयों को 30 करोड़ पुस्तकों से सहायता दी जानी है। पुस्तकालय – 25 पुस्तकालय – 3500 पुस्तकालय – 130 संगठन – 60	रूटीन व परंपरागत उत्तरदायित्वों को निभाने के अलावा पुस्तकालय समाज में हो रहे बदलावों के साथ मिलकर चलने में समर्थ होंगे। यह पुस्तकालय सेवा के नए क्षेत्रों पर कार्य करेगा तथा साक्षरता आंदोलन को बल प्रदान करने के अलावा विषम समाज को एक समतापूर्ण, प्रगतिशील, ज्ञान–समाज में तब्दील करने में समर्थ होगा।	राज्य पुस्तकालय समिति फाउंडेषन की विभिन्न स्कीमों के कार्यान्वयन के संबंध में प्रासंगिक वर्ष के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। पहली तिमाही में उन्हें कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए रा. पु. समिति की बैठक बुलानी होती है। विज्ञापन की आवश्यकता होती है। प्रथम तिमाही प्रस्ताव आमंत्रित करने वाले पिछले वर्ष के शेष	राज्य सरकारें समय पर अंशदान देने में असफल रहीं परिणामस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में देर लग सकती है। तदनुसार कार्यान्वयन में भी देर हो सकती है। बड़ी संख्या में प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। वित्तीय वर्ष के एकदम अन्त में।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुस्तकालयों को सहायता। च) शैक्षिक प्रयोजन हेतु टी वी–सह–वी सी पी के अधिग्रहण/ पुस्तकालय अनुप्रयोग हेतु कम्प्यूटर।	श्रव्य–दृश्य सहायता की आपूर्ति तथा स्वचलीकरण हेतु कम्प्यूटरों की आपूर्ति। सार्वजनिक पुस्तकालय की नेटवर्किंग।			पुस्तकालय – 70		प्रस्तावों का कार्यान्वयन। दूसरी तिमाही विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत पुस्तकों तथा पुस्तकालयों का चयन। तृतीय तिमाही विभिन्न प्रस्तावों का क्रियान्वयन। चौथी तिमाही समीक्षा तथा कार्यान्वयन।	
	गैर–मैचिंग स्कीमः क) सार्वजनिक पुस्तकालय सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले स्वैच्छिक संगठनों को सहायता (ख) विभिन्न और संबंधित विभिन्न सामान्य सार्वजनकि पुस्तकालयों के	पुस्तकालय सेवा प्रदान करने के प्रति स्वैच्छिक उत्साह को प्रोत्साहित करना। बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना।			पुस्तकालय – 100 पुस्तकालय – 100		राज्य सरकारों से प्राप्त आवेदन पत्रों पर कार्रवाई की	राज्य सरकारें कभी–कभी आवेदन भेजने में असफल रहती है। परिणामस्वरूप प्रस्तावों की अंतिम रूप देने में देर हो सकती है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विकास के लिए सहायता। ग) राज्य केन्द्रीय पुस्तकालयों तथा जिला पुस्तकालयों को पुस्तकों के केन्द्रीय चयन के माध्यम से सहायता।	हाल की कीमती पुस्तकों से पुस्तक स्टॉक की पुनः पूर्ति।			पुस्तकालय – 382 पुस्तकें – 15 मिलियन		जाती है और अनुदान स्वीकृत किया जाता है। –पुस्तकें प्राप्त की जाती हैं और उनकी सिस्टम में वर्गीकरण तथा लागत कारक सहित इन्द्राज किया जाता है।	–पुस्तक चयन समिति की बैठक पर निर्भर करता है।
	घ) सेमिनार सम्मेलन के प्रति अखिल भारतीय पुस्तकालय एसोसिएशन को सहायता।	राष्ट्रीय व्यावसायिक संगठनों को प्रोत्साहित करना।			संगठन – 10		प्राप्त आवेदन पत्रों पर कार्रवाई की जाती है और अनुदान जारी किया जाता है।	– पुस्तकालय एसोसिएशन से वैध प्रस्ताव प्राप्त होने पर।
	ङ) केन्द्रीय प्रायोजित पुस्तकालयों को सहायता	ग्रामीण जनता में पढने की आदत को प्रोत्साहन देना			पुस्तकालय – 37		सम्बन्धित राज्य प्राधिकरण के साथ विचार विमर्श कर इस योजना को संचालित किया जाएगा।	– राज्य प्राधिकरण द्वारा भूमि के आवंटन में कार्यान्वयन में देरी हो सकती है।
	च) शताब्दी समारोह के लिए सार्वजनिक	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 15		– प्राप्त आवेदन पत्रों पर कार्रवाई की जाती है और	– पुस्तकालय एसोसिएशन से वैध प्रस्ताव

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुस्तकालयों को सहायता							
	छ) सांख्यिकी के संग्रहण तथा संकलन के सम्बन्ध में सहायता	बाल प्रयोक्ताओं को आकर्शित करना।			पुस्तकालय – 1		अनुदान जारी किया जाता है।	प्राप्त होने पर।
	ज) बाल कॉर्नर के विकास के सम्बन्ध में सहायता झ) विकलांगों के कॉर्नर के विकास के सम्बन्ध में सहायता **अन्य संवर्धनात्मक गतिविधियां**	विकलांगों को पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करना।			पुस्तकालय – 50 पुस्तकालय – 20 सेमिनार कार्यशाला – शून्य			
38.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन तथा उसके बाद एक आयोग की स्थापना।**	विशेष रूप से सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर ध्यान देना तथा एक निर्धारित समय–सीमा में सार्वजनिक पुस्तकालयों के बुनियादी ढॉचे तथा प्रौद्योगिकीय स्थिति का उन्नयन।	—	**57.50**	संस्कृति मंत्रालय के प्रषासनिक नियंत्रण के अधिन 6 प्रस्तकालयों की प्रौद्योगिकी और अवसंरचना में सुधार और क्रमोन्नयन।	संस्कृति मंत्रालय के प्रषासनिक नियंत्रण के अधिन प्रस्तकालयों की प्रौद्योगिकी और अवसंरचना में सुधार		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					629 जिला पुस्तकालयों की नेटवर्किंग करना। 5000 पुस्तकालयों की मात्रात्मक एवं गुणवत्तात्मक सर्वे करना। पुस्तकालय व्यवसायिकों के लिए 20 प्रशिक्षण पार्क कार्यक्रम आयोजित करना।	और क्रमोन्नयन। 629 जिला पुस्तकालयों की नेटवर्किंग करना। 5000 पुस्तकालयों की मात्रात्मक एवं गुणवत्तात्मक सर्वे पूरा करना। पुस्तकालय व्यवसायिकों का प्रशिक्षण।		
39.	**अन्य पुस्तकालय**							
(क)	**खुदा बख़्श ओरियंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना**	यह पुस्तकालय महान पुस्तक प्रेमी तथा विद्वान मौलवी मुहम्मद बख़्श के निजी संग्रह से विकसित किया गया है। इसमें 20,000 से अधिक पांडुलिपियॉ तथा कुछ दुर्लभ मुद्रित पुस्तकें हैं।	**3.84**	**3.00**	प्रायः गैर – योजनागत अनुदान प्रशासनिक और स्थापना के कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनमें शामिल हैं – वेतन, बोनस, एल.टी.सी., ओ.टी.ए., चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि।	उपस्कर और फर्नीचर की खरीद, स्टेक क्षेत्र का आधुनिकीकरण, पठन सुविधाएं आमतौर पर शुरू की जानी है।		
(i)	अभिप्राप्ति : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों, वीडियो तथा ऑडियो कैसेटों की खरीद।	पाठकों के उपयोग हेतु पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों, ऑडियो तथा वीडियो सी डी को प्राप्त करना।			5,000 मुद्रित, 50 पाण्डुलिपियों तथा 120 पत्रिकाओं की खरीद।	नई पुस्तकों तथा पाण्डुलिपियों के शामिल किए जाने से पाठक तथा अध्येता लाभान्वित होंगे।		
(ii)	पाण्डुलिपियों की	बाहरी पाठकों को छिपे खजाने से			300 पाण्डुलिपियों की	ऐसी पाण्डुलिपियों,		विद्वान उजरती दर

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विवरणात्मक सूची तैयार करना।	परिचित कराना। इन पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचियों का संकलन और तत्पश्चात मुद्रण/ होस्टेड वेब पर डालना।			वर्णनात्मक सूची का संकलन।	जिन्हें अभी तक कैटलॉग नहीं किया गया है, के संबंध में पुस्तक सूचना रूप में उपलब्ध होगी।		के आधार पर वर्णनात्मक सूची को संकलित करने में लगे हुए हैं।
(iii)	अनुसंधान तथा प्रकाशनः दुर्लभ सामग्री का प्रकाशन,पुस्तक सूची का मुद्रण, अनुसंधान सेमिनार, व्याख्यान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम, खुदा बख्श अनुसंधान फैलोशिप तथा तिमाही जर्नल का प्रकाशन। कार्यकलापों तथा प्रदर्शनियां	पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण संस्करण निकालना, दुर्लभ महत्व की पुस्तकों का प्रकाशन तथा विशिष्ट अध्येताओं के व्याख्यान। बाहरी पाठकों को छिपे खजाने से परिचित करना/ इन पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचियों का संकलन, सेमिनारों का आयोजन, प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान। ख्याति प्राप्त स्कॉलरों को छात्रवृत्तियां। नेमी अनुरक्षण हेतु परिरक्षण प्रयोगशाला जिसमें उपचारात्मक तथा निवारक परिरक्षण भी शामिल हैं। यह पुस्तकों को उपयुक्त हालत में रखने के उददेश्य से है।			15 पुस्तकों का प्रकाशन, 3 का अंग्रेजी अनुवाद, 1 का हिंदी अनुवाद और 2 दुर्लभ पाण्डुलिपियों की अनुकृति। सूची पत्र के दो खंडों तथा हैंड लिस्ट का 1 खंड का मुद्रण, राष्ट्रीय सेमिनार – 2, वार्षिक व्याख्यान – 1, विस्तार व्याख्यान – 4 लोकप्रिय व्याख्यान – 12 का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम – अनेक वरिष्ठ शिक्षावृत्ति – 3 कनिष्ठ शिक्षावृत्ति – 7 अध्येताओं को शोध परियोजनाएं सौपना। 1 टैगोर प्रकाशन पुरस्कृत, राष्ट्रीय तिमाही पत्रिकाओं के 4 अंकों का प्रकाशन। तिमाही समारोह आयोजित करना।	ऐसी पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में सूचना जो अभी केटलॉग नहीं की गयी है, अनुसंधान स्कॉलरों हेतु पुस्तक के रूप में उपलब्ध की जाएगी।	सम्पूर्ण वर्ष	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(iv)	संरक्षण और परिरक्षणः परिरक्षण पुस्तकालय और पुस्तकों के परिरक्षण तथा रेप्रोग्राफिक सुविधाओं का विकास। आधुनिकीकरण और स्वचालन। कार्यकलापों तथा प्रदर्शनियों का आयोजन।	परिरक्षण प्रयोगशाला रूटीन अनुरक्षण के लिए, उपचारात्मक एवं निवारक रूप में परिरक्षण हेतु।			पुस्तकों और पांडुलिपियों का परिरक्षण/ मुद्रित पुस्तकों और पांडुलिपियों को अनुबंध आधार पर जिल्दसाजी कराई गयी। पुस्तकालय प्रशासनिक खण्डों के प्रस्तावित अतिरिक्त 2 तलों के लिए आन्तरिक फीटिंग,नए भवन हेतु फर्नीचर की खरीद,नए भवन हेतु फर्नीचर और फिक्चर। पाण्डुलिपियों के डिस्टिजेशन का कार्य लगभग पूरा हो गया है और इसका शेष कार्य 2014–15 के दौरान हाथ में लिया जाएगा।	साहित्य को अच्छी दशा में रखना। पाण्डुलिपि खजाने को अधिक समय तक बनाए रखने हेतु इसका संरक्षण किया जाएगा।	सम्पूर्ण वर्ष	
(ख)	**केन्द्रीय तिब्बती रचनाओं एवं अभिलेखागार, धर्मशाला, हि.प्र. के लिए पुस्तकालय**	बौद्ध अध्ययन,सांस्कृतिक अनुसंधान, प्रकाशन, शैक्षणिक कार्यक्रम आदि का परिरक्षण एवं प्रोत्साहन।	**1.55**	**0.01**	इस संस्था की स्थापना तिब्बती सभ्यता और इंडो – तिब्बती अध्ययन को परिरक्षित करने तथा उसकी संपन्न विरासत को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।	तिब्बती सभ्यता की संपन्न विरासत का परिरक्षण और विकास।	संस्थान अपनी गतिविधियां जारी रखेगा।	गैर योजना क्षेत्र के तहत प्राप्त निधियां अधिकांशतः स्थापना खर्च के लिए उपयोग में लाई जाती है।
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	संस्कृति व ज्ञान का यह एक अमूल्य भंडारण है। 16वीं शताब्दी में इसे रॉयल पैलेस पुस्तकालय के रूप में अभिकल्पित किया गया था।	–	**0.50**				

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि में पांडुलिपियों से पुस्तकों का प्रकाशन	पांडुलिपियों को अनूदित करना, उनका लिप्यांकन करना तथा पुस्तकों को प्रकाशित करना।			वर्ष के दौरान 10 नई पुस्तकों तथा 5 पुनर्मुद्रणों पर कार्य किया जाएगा। पुस्तकों को प्रतिदिन साफ करना, पाठकों को पुस्तकों की आपूर्ति करना। खरीदी गई और दान में प्राप्त पुस्तकों को सुलभ कराना। नई उपयोगी बहुमूल्य पुस्तकों की खरीद करना।	विदेशों तथा भारत के विभिन्न भागों से अध्येत्ताओं के लाभार्थ।	पूरे वर्ष के दौरान।	
(ii)	संरक्षण	ताड़पत्रों पर सिट्रोनेला तेल लेपित करना तथा कागज की पांडुलिपियों/मूल्यवान दुर्लभ पुस्तकों इत्यादि का परिरक्षण करना।			पांडुलिपियों के 120000 पत्रों को साफ किया जाना है, 1500 पुस्तकों की दशा सुधारी जानी है तथा उन्हें परिरक्षित किया जाना है।	भावी पीढ़ियों के लिए पुरानी, पांडुलिपियों को परिरक्षित करना।	पूरे वर्ष के दौरान।	
(iii)	रिप्रोग्राफी	परिरक्षण हेतु पांडुलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों का माइक्रोफिल्म।			अब तमिल पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्म बनाई जा रही है। इन पाण्डुलिपियों की सावधानी से सफाई करनी होगी तथा माइक्रोफिल्म बनानी होगी।	इन्हें भावी पीढ़ी हेतु परिरक्षित करना।	पूरे वर्ष के दौरान।	
(घ)	**रामपुर रज़ा पुस्तकालय, रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत–इस्लामी पांडुलिपियों, लघुचित्रों, पुस्तकों तथा पुस्तकालय में अन्य कला तथा विज्ञान वस्तुओं का अभिग्रहण एवं संरक्षण और एक संदर्भ एवं अनुसंधान	**2.35**	**6.50**				सामान्यतया गैर योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		के केन्द्र के रूप में सेवा प्रदान करना तथा साथ ही अंतरराष्ट्रीय महत्व की कलाओं के केन्द्र के रूप में कार्य करना।						है।
(i)	प्रकाशन एवं मुद्रण	अरबी, फारसी, संस्कृत पांडुलिपियों के पाठों की पुस्तकों का प्रकाशन।			पुस्तकों, जर्नल्स, कलैंडर, तकनीकी रिपोर्टों और पेन्टिंग्स का प्रकाशन।	शिक्षाविदों तथा अध्येताओं के लिए इस साहित्य को परिरक्षित करना।	वर्ष भर।	
(ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण एवं पुनरूद्धार।	रजा पुस्तकालय के दो ऐतिहासिक महल नामतः हमीद मंजित तथा रंग महल पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं। इन्हें त्तकाल मरम्मत की आवश्यकता है जिसे रामपुर रजा पुस्तकालय बोर्ड की 37वीं बैठक में अनुमोदित किया गया था।			रजा पुस्तकालयों के 2 भवन नामतः हमीद मंजिल और रजा रंग महल।	लक्ष्य के अनुसार परियोजना कार्य पूरा होने की संभावना।	यह एक जारी रहने वाली परियोजना है।	
(iii)	पुस्तकों, पांडुलिपियों का अभिग्रहण, छात्रवृत्तियां और पुरस्कार, सेमिनार/ कार्यशालाएं/ प्रदर्शनियों और संग्रहों का संरक्षण।	शोध छात्रों की मांगों को पूर्ण करने के लिए दुर्लभ पाण्डुलिपियों, पुस्तकों और कलावस्तुओं का अभिग्रहण। अध्येताओं, शिक्षाविदों के मेलमिलाप हेतु शैक्षिक तथा सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुस्तकालय के बहुमूल्य संग्रह का संरक्षण करना।			पुस्तकालय दर्बल हॉल संग्रहालय के लिए दुर्लभ पाण्डुलिपियों / पुस्तकों और लेखों को हासिल करेगा जिससे मांगों की पूर्ति की जा सकेगी और अनुसंधान स्कॉलर्स की आवश्यकता की पूर्ति होगी। 6 छात्रवृतियां, 3 पुरस्कार, लगभग 30 अनुवादकों को अनुवाद कार्य सौंपा जाएगा जो दुर्लभ एम.एस.	दुर्लभ पाण्डुलिपियों और कलाकृति पुस्तकालय को अकादमीशियनों और स्कॉलर्स के लिए समृद्ध बनाना।	पूरे वर्ष के दौरान।	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	कम्प्यूटरीकरण और आई.टी. का प्रयोग, सी.आई. एस.एफ. प्रशिक्षण कार्यक्रम और दरबार हाल संग्रहालय का आधुनिकीकरण।				एस. के संबंध में होगा। 2 सेमिनार, 2 कार्यशालाएं, 5 प्रदर्शनियों और 2 व्याख्यान, मुशायरा और कवि सम्मेलन। एम.एस.एस. का प्रलेखन, चित्रकला, कलाकृतियां आदि। लगभग 10 हजार दुर्लभ एम.एस. एस. के पृष्ठ, कलाकृतियां, पुस्तकें चित्रकला आदि का परिरक्षण और संरक्षण किया जाएगा। एम.एस.एस. नमूने के लगभग 4 लाख कैलीग्राफी नमूनों के पृष्ठों का डिजिटाइजेशन करना। 26 सुरक्षा गार्ड लगाए गए, 2 उपस्करों की खरीद प्रस्तावित है। मशीनरी, उपस्कर, फर्नीचर और फिक्सर्स, बगीचों और लॉन का रख – रखाव, प्रचार और विज्ञापन, सी.आई.एस.एफ. लगाना, आई.टी. एप्लीकेशन्स का क्रमोन्नयन कार्य किया जाना है, दर्बल हॉल संग्रहालय जिसका अनुमोदन बोर्ड की 37वीं बैठक में किया गया था।			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ड.)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता'**	भारतीय राष्ट्रीय सूची ग्रंथ (रोमन लिपि तथा संबंधित भाषा लिपियों में) जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के वर्तमान भारतीय प्रकाशनों की ग्रंथ सूची है, का (क) संकलन तथा प्रकाशन और (ख) इंडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन।	**2.57**	**0.80**				सामान्यतया योजनेतर प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
	भारतीय राष्ट्रीय सूची ग्रंथ तथा इंडेक्स इंडियाना	1. आई एन बी वार्षिक खंड 2010 का प्रकाशन। 2. जुलाई 2010 और जनवरी से अक्तूबर 2011 आई एन बी का मासिक अंश 3. इंडेक्स इंडियाना का संकलन तथा प्रकाशन।						
(क)	भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची वार्षिक खंड 2011 का प्रकाश				क. आईएनबी 2011 का वार्षिक अंक।	250 प्रतियां	8 महीने।	
(ख)	भारतीय राष्ट्रीय ग्रन्थ सूची वार्षिक खण्ड 2010 और 2011 का संकलन				ख. 2012 वार्षिक खण्ड		8 महीने	
(ग)	आई.एन.बी. का मासिक अंक जनवरी –दिसम्बर 2013				ग. 2013 आईएनबी का मासिक अंक	12 अंक	12 महीने	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	इंडेक्स इंडिआना 2004–2009				इडेक्स इंडियाना 2004–10 का मुद्रण तथा प्रकाशन संचयी खण्ड		3 महीने	
(क)	**अन्य कार्यकलाप** ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुता	1– ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुतावृत्ति।			3 प्रशिक्षण /कार्यशाला /सेमिनार		12 महीने	
(ख)	क्षेत्रीय भाषा में ग्रंथ सूची के संकलन में पूर्वोत्तर क्षेत्र के व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण।	2– पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास कार्यक्रम।			सी.आर.एल. की प्रदर्शनियां और सेल आयोजित करना, राष्ट्रीय और विश्व पुस्तक मेले में प्रकाशनों का आयोजित करना।			
(ग)	भाषा ग्रंथ सूची, बंगाली, तमिल, हिन्दी, मराठी, मलयालम, गुजराती, उर्दू।	3– भाषा ग्रंथसूचियां, बंगाली, तमिल, हिन्दी, मलियालम, उर्दू।			उर्दू ग्रंथसूची 2012, मराठी 2011–12, मलयालम 2012, असमिया 2009–13, बंगाली 2014, उड़िया 2010–13, तमिल 2011–13, गुजराती 2010–11.			

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(घ) (ड.)	कंप्यूटर नेटवर्क का उन्नयन पूंजीगत व्यय				घ. आईएनएम डाटाबेस को नेट पर डालना।		प्रकाशन किया जाएगा।	
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटेलॉग बनाना, उनका संरक्षण करना और संग्रह करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना और गौरवपूर्ण पांडुलिपियों के कैटेलॉगों का डिजिटीकरण करना है।		**9.00**				
(i)	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय एवं माइक्रोफिल्मिंग।	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय बनाना और माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकड़े बनाना।			दो वर्षों में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय बनाना। माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकड़े बनाना।	डिजिटीकृत पाण्डुलिपि को स्थायी आधार पर सुरक्षित रखना। दीर्घ अवधि के लिए माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकडों के सुरक्षित संरक्षण हेतु।	वर्ष भर	
(ii)	एम आर सी के माध्यम से नेटवक्रिंग	एम आर सी में उपलब्ध पांडुलिपियों का प्रलेखन करना।			57 मौजूदा एमआरसी हैं अनुदान 4.5 लाख जमा 4.5 लाख जमा 4.5 जमा 2 लाख की दर तक वास्तविक निष्पादन पर	सभी एमआरसी को वार्षिक अनुदान जारी किया जाता है। 3 लाख और	वर्ष भर	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रतिबंधित राशि जारी किया जाती है जो वास्तविक निष्पादन के आधार पर सीमित किया जाता है।	पाण्डुलिपियों को प्रलेखित करने की योजना है।		
(iii)	पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्रों (एम सी सी)के माध्यम से नेटवर्किंग	संरक्षण और एवं संबद्ध क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य एवं मांग के आधार पर भी संरक्षण मुहैया कराना।			50 मौजूदा एमसीसी हैं। अनुदान 2.5 लाख जमा 2.5 लाख की दर से जारी किया जाता है जो वास्तविक निष्पादन के अनुसार सीमित होता है।	सभी एमसीसी को अनुदान जारी किया जाता है। निवारक संरक्षण का 15 लाख फोलियो तथा 3 लाख और निवारक संरक्षण के फोलियो की योजना है।	वर्ष भर	
(iv)	संरक्षण कार्यशाला और प्रशिक्षण	मांग के आधार पर निवारक रेयर सहायता, क्यूरेटिव कार्यशाला आदि			निवारक, रेयर सहायता, क्यूरेटिव कार्यशाला चलाना और मांग के आधार पर संरक्षण प्रदान करना	750 उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु क्षेत्रवार 20 कार्यशाला	वर्ष भर	
(v)	अनुसंधान और प्रकाशन एवं सार्वजनिक लोगों तक पहुंच	मुद्रित पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन करना। तत्वबोध व्याख्यानों का आयोजन करना और सेमिनारों / प्रदर्शनियों का आयोजन।			शोध और प्रकाशन। तत्वबोध पर व्याख्यान श्रृंखलाओं का आयोजन करना। तत्वबोध व्याख्यानों का संचालन और सेमिनारों/ प्रदर्शनियों का आयोजन।	दुर्लभ पाण्डुलिपियों का सम्पादन और प्रकाशन, समरक्षिका और तत्वबोध के साथ संख्या 50. वैदिक परम्पराओं जैसे अनछुए विषयों पर 24 व्याख्यानों का	वर्ष भर	प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत में वैदिक परम्परा,लेखन परम्परा,विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान देना।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						आयोजन। प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत में लेखन परम्परा,विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि।		
(vi)	डिजिटीकरण	महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण			महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण	चयनित पक्षों द्वारा डिजिटीकरण का कार्य जारी रखना। 1 करोड़ इमेजों का डिजिटीकरण।	वर्ष भर	
(vii)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण और सर्वेक्षणोत्तर	पांडुलिपियों को पहचानने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			सर्वेक्षण में एमएसएस की उपलब्धता का पता करना और पता चले एम.एस.एस. का प्रलेखन करना।	25 लाख और एम.एस. एस. को पहचानने के लिए 10 राज्यों के शेष जिलों को कवर करना और 1.5 लाख एमएसएस पहचानने के लिए 5 राज्यों को शामिल करना।	वर्ष भर	
(viii)	पांडुलिपि विज्ञान और प्राचीन शिला लेख अध्ययन कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	विश्वविद्यालयों के माध्यम से पांडुलिपि विज्ञान को प्रोत्साहित करना।			I/II/III स्तर की कार्यशाला और प्रशिक्षण आयोजित करना।	450 शोध छात्रों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु क्षेत्रवार 15 कार्यशाला चलाना और 12 एमएसएस का संपादन। एम.आर.सी /एम.सी.सी. चल रहे	वर्ष भर	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						हैं।		
(छ)	**प्रकाशन योजना**	मंच कलाओं और थियेटरों के माध्यम से सांस्कृतिक तथा विरासत के प्रोत्साहन से सम्बन्धित गतिविधियों को हाथ में लेना।	–	**0.50**				
(i)	(क) संस्कृति संबंधी अनुसंधान (ख) महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि (ग) इतिहास अभिलेख (घ) संस्कृति पर सह–प्रकाशन हेतु प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता।	संस्कृति, महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों से संबंधित विरासत और संस्कृति अभिलेखों, जो ऐतिहासिक महत्व के हैं, पर सह–प्रकाशन हेतु प्रकाशन संबंधी कार्य।			सोसाइटी के न्यासों, वि.वि. को संस्कृति, महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों से संबंधित सांस्कृतिक विरासत हेतु अनुसंधान कार्यों के प्रकाशन सहित अलाभकारी संगठनों को वित्तीय सहायता देना।	देश और देश से बाहर भारतीय विरासत और संस्कृति के प्रति जागृति का विकास।	पूरे वर्ष के दौरान	इस योजना को प्रकाशन योजना के साथ मिलाने हेतु विचार किया जा रहा है।
(ii)	पुरानी और दुर्लभ पुस्तकों पाण्डुलिपियों के पुराने और दुर्लभ प्रलेखों के परिरक्षण और संरक्षण पुस्तकालय संस्थाओं को वित्तीय सहायता	संरक्षण तकनीकों को लागू करने हेतु तथा पाण्डुलिपियों सहित पुराने रिकार्डों व दुर्लभ प्रलेखों के उचित रख–रखाव के लिए।			पाण्डुलिपियों सहित पुराने और दुर्लभ प्रलेखों के परिरक्षण और संरक्षण हेतु पुस्तकालयों/ सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता।	पुस्तकालयों, न्यासों व एन.जी.ओ.(ज) के अधिग्रहण वाले पुराने और दुर्लभ प्रलेखों के उचित रख–रखाव हेतु।	वर्ष भर के दौरान	इस योजना को प्रकाशन योजना के साथ मिलाने हेतु विचार किया जा रहा है।

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	तथा ऐतिहासिक रिकार्ड और संस्कृति की पुस्तकों के सह–प्रकाशनार्थ भी।							
(ज)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 तथा पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के प्रावधानों के तहत पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना।	**0.01**	**0.30**				
	राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण / कम्प्यूटरीकरण / डिजिटीकरण / उन्नयन।	दुर्लभ पुस्तकों तथा पांडुलिपियों का डिजिटीकरण : डी बी ए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण / रूपांतरण			डी. बी. ए. सेक्शन में प्राप्त 20000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 300 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से प्रोसेस किया जाना है तथा 2 लाख पाठकों को मुहैया कराया जाना है।	पठन सामग्री को जरूरतमंद पाठकों, अनुसंधान–कर्ताओं तथा अध्येयताओं को उपलब्ध कराना।	सतत / नियमित प्रक्रिया।	
(झ)	**कोन्नेमारा पब्लिक लाइब्रेरी, चेन्नई**	यह यथा संशोधित पुस्तकालय, पुस्तक एवं समाचार–पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) वितरण अधिनियम, 1954 के प्रावधानों के तहत् भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को निःशुल्क प्राप्त करने वाले चार सार्वजनिक भंडारणों में से एक है। यह यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के	**0.35**	**0.60**	पुस्तकालय का उन्नयन तथा सही समय पर सही प्रयोक्ता को सही सूचना प्रदान करना। पठन सामग्री की खरीदे गए मुद्रित प्रलेखों का डिजिटीकरण। सदी प्राचीन पुस्तकालय भवन का रखरखाव और नया जोड़ा गया पुस्तकालय भवन	पुस्तक वितरण अधिनियम के तहत् प्राप्त पठन सामग्री को जरूरतमंद पाठकों, अनुसंधान– कर्ताओं, अध्येताओं को उपलब्ध कराना। यह सिर्फ चेन्नई के निवासियों	वर्ष भर	सामान्यया गैर योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक तथा स्थापना सम्बन्धी व्यय के लिए किया जाता है और जिसमें वेतन, बोनस, एल.टी.सी,

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है। मंचकला और थियेटर के माध्यम से संस्कृति और विरासत के सम्वर्धन से संबंधित कार्यकलाप शुरू करना।				के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लोगों के लिए है।		समयोपरि भत्ता, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि शामिल है।
40.	**पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम की परियोजना/ स्कीमों के लिए प्रावधान।**		**––**	**183.50**				
40.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए परियोजना/ स्कीम**	पूर्वोत्तर क्षेत्र की विशिष्ट कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण।		**113.87**	पूर्वोत्तर राज्यों के प्रोन्नयन में कला और संस्कृति के क्षेत्र में विविध कार्यक्रम स्कीमें आयोजित करना तथा विभागीय स्कीमों के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों/व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना।	पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारतीय कला और संस्कृति और परंपरा की जागरूकता में वृद्धि करना तथा उत्तर क्षेत्र की विशिष्ट कला एवं संस्कृति को भी देश के अन्य भागों में प्रोत्साहित करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
40.2	**पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय**	पुरात्तव, अभिलेखागारों और संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।		**35.47**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र में एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना। उत्तर–पूर्व क्षेत्र में स्थित विभिन्न प्राचीन स्मारकों/स्थलों का	पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारत की प्राचीन संस्कृति के लिए जागरूकता का निर्माण करना।	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					संरक्षण व परिरक्षण।			
40.3	**सार्वजनिक पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का संवर्धन		**20.60**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास करना।	पुस्तकालय आंदोलन के माध्यम से पढ़ने की आदतों में वृद्धि करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
40.4	**बौद्ध तथा तिब्बती अध्ययन**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध/ तिब्बती संस्कृति को प्रोत्साहन देना।	––	**11.95**	इस क्षेत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई कार्यक्रम हाथ में लिए जाएंगे।	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति का परिरक्षण और प्रसार।		
40.5	**स्मारक,शताब्दी और अन्य**	गांधीवाद/नेहरू तथा मौलाना आजाद के विचारों को पूर्वोत्तर में फैलाने हेतु प्रोत्साहन।	–	**1.61**	जी.एस.डी.एस.,एन.एम.एम.एल. और एम.ए.के.ए.आई.ए.एस. पूर्वोत्तर क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों को हाथ में लेगा।	गांधीवाद/नेहरू तथा मौलाना आजाद के विचारों को पूर्वोत्तर में फैलाने हेतु प्रोत्साहन।		
	योग (पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु व्यवस्था)		**––**	**183.50**				
	जोड (राजस्व)		**676.00**	**1767.00**				
41.	**संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की भवन परियोजनाएँ**							
1.	**भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार**		–	**10.00**				

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(i)	राष्ट्रीय अभिलेखागार भवन सौंध में नया कार्य तथा मरम्मत । जयपुर, पांडिचेरी और क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल में रिकॉर्ड सेंटर			यह परियोजना वर्ष 2014–15 के दौरान शुरू की जा सकती है।	बड़े कार्यो के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना तथा अभिलेखागार में उपलब्ध बहुमूल्य अभिलेखों को संरक्षित भी करना।		
	(ii)	अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर/ साइट विकास का निर्माण / स्टॉफ क्वाटर/ स्टेक क्षेत्र का ए.सी. के प्रकार्यात्मक भवन का निर्माण।			निर्माण कार्य प्रगति पर है।			
	(iii)	सभाकक्ष और छात्रावास सह अतिथिगृह/ नवीकरण संबंधी निर्माण कार्य/ अभिलेखीय संग्रहालय का नवीकरण।			यह परियोजना वर्ष 2014–15 के दौरान शुरू की जा सकती है।			
	(iv)	लाहौर हाउस, जैसलमेर हाउस, नई दिल्ली के लिए भवन का निर्माण।			यह परियोजना वर्ष 2014–15 के दौरान शुरू की जा सकती है।			
2.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**		**–**	**22.00**				
		साल्ट लेक, कोलकाता में द्वितीय चरण के कार्यालय भवन का निर्माण।			साल्ट लेक, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में मानव विज्ञान सर्वेक्षण मुख्यालय के लिए भवन चरण–II का निर्माण।	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण की विकासात्मक गतिविधियों हेतु अतिरिक्त स्थान की		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						आवश्यकता है।		
3.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	आर.सी.एल. मैसूर में प्रयोगशाला का निर्माण। एन.आर.एल.सी. लखनऊ के अतिथिगृह का निर्माण।	–	**1.50**	कार्य प्रगति पर है।	प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण गतिविधियों हेतु।	सी.पी.डब्यू.डी. द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है।	निर्माण कार्य का पूरा होना सी.पी. डब्यू.डी. की क्षमता पर निर्भर करता है।
4.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय**	मैसर्स गोदरेज के माध्यम से नमी रहित भण्डारण गृह का निर्माण। दिल्ली में आवधिक वीथी के लिए एनजीएमए के पुराने भवन का नवीकरण/ विकास और रख–रखाव।	–	**9.00**	कार्य प्रगति पर है। वर्ष के दौरान कार्य को हाथ में लिया जाएगा।			
5.	**राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली**	राष्ट्रीय संग्रहालय में विभिन्न लम्बित निर्माण कार्यों का रख–रखाव तथा उन्नयन।	––	**3.00**	संग्रहालय भवन के रख–रखाव एवं देख–रेख / विकास कार्य हेतु। राष्ट्रीय संग्रहालय भवन, फेज़–2, नई दिल्ली का निर्माण कार्य।	राष्ट्रीय संग्रहालय की वीथिकाओं और सरकारी स्कन्ध में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना।	वर्ष के दौरान पूरा कर लिया जाएगा।	
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	नागपुर, औरंगाबाद, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में ए.एस.आई. के लिए कार्यालय भवन का निर्माण। औरंगाबाद, आगरा, नागपुर, जोधपुर, सारनाथ में कार्यालय	––	**20.00**	प्रथम 3 परियोजनाओं का कार्य प्रगति अधीन चल रहा है। वर्ष के दौरान अन्य परियोजनाओं का कार्य भी शुरू किया	ए.एस.आई. के कर्मचारियों की आवास समस्या का समाधान किया जाएगा।		

परिणाम बजट 2014–15

अध्याय –II

क्र.सं.	स्कीम /कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2014–15 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) / वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं / समय	टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		भवन के निर्माण के लिए 5 नई परियोजनाएं। 10 निर्मित आवासों की खरीद तथा विभिन्न केंद्रीय संरक्षित संस्मारकों के पास जमीन लेना।			जाएगा।			
7.	**सार्वजनिक पुस्तकालय**	**राष्ट्रीय पुस्तकालय** टाइप द्वितीय और तृतीय क्वार्टरों और साथ ही नए पुस्तकालय भवन का निर्माण। **केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय**	–	**2.00** **0.50**	संस्कृति मंत्रालय से अनापत्ति प्राप्त करने के पश्चात इस परियोजना को शुरू किया जा सकता है। सी.आर.एल., कोलकाता के मौजूदा भवन की छत शीर्ष का निर्माण और आंतरिक नवीकरण।	पुस्तकालय स्टाफ को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना।		
		योग (भवन परियोजनाएं)	––	**68.00**				
		सकल योग (कला और संस्कृति)	**676.00**	**1835.00**				